

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033

वर्ष: 50 संख्या: 209

प्रभात

कोटा, बुधवार 14 मई, 2025

कोटा/24/2012-14

पृष्ठ 6

मूल्य 2.50 रु.

भाजपा ग्यारह दिन की तिरंगा यात्रा निकालेगी

13 मई से 23 मई तक देशभर में चलने वाली इस यात्रा में पार्टी के प्रमुख नेता व कार्यकर्ता तिरंगा झण्डा लेकर चलेंगे, तथा ऑपरेशन “सिन्दूर” की सफलता का जश्न मनायेंगे सड़कों पर

—श्रीनंद झा—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 13 मई। भाजपा ने “ऑपरेशन सिंदूर” की सफलता को “अपना बनाने” के लिए, आज ग्यारह दिवसीय “तिरंगा यात्रा” की शुरुआत की, लेकिन पार्टी के इस अभियान में विजय का स्वर गायब नजर आया और इसके दो मुख्य कारण हैं:
पहला, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के इस दावे पर सरकार की अपर्याप्त प्रतिक्रिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम का यह समझौता उन्होंने करवाया था और दूसरा, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का यह दावा कि भारत और पाकिस्तान किसी तटस्थ स्थान पर कश्मीर समेत, लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठक करेंगे।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल राष्ट्र को संबोधित करते हुए ट्रंप के दावे का परोक्ष जवाब दिया और कहा कि भारत पाकिस्तान से पीओके और आतंकवाद के अलावा अन्य किसी मुद्दे पर बात नहीं करेगा। हालांकि, रणनीतिक विशेषज्ञ

- पर, पार्टी का यह अभियान अभी जोर नहीं पकड़ पाया है, क्योंकि, सरकार अभी तक पूर्णतया संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाई. ट्रम्प की इस गवौंक्ति का कि उन्होंने “सीज़ फायर” करवाई है, भारत-पाकिस्तान के बीच।
- हालांकि प्र.मंत्री मोदी ने इस गवौंक्ति का थोड़ा-बहुत जवाब तो दिया, यह कहकर कि, भारत पाकिस्तान से केवल आतंकवाद व पाक अधिकृत कश्मीर पर ही बात करेगा।
- थोड़ा इस बात से भाजपा का जोश ठण्डा पड़ा कि ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि, उन्होंने दोनों देशों को धमकी दी, कि अमेरिका दोनों देशों से व्यापार नहीं करेगा, अगर वह “सीज़ फायर” पर राजी नहीं होते हैं।
- विदेश मंत्रालय ने इस बात का भी खण्डन किया, यह कह कर कि भारत व अमेरिका के बीच वार्ता में “व्यापार” (ट्रेड) पर कोई बात नहीं हुई।
- “सीज़ फायर” के बाद, भाजपा की पहली प्रेस कांफ्रेंस में सम्बित पात्रा ने यह दावा करके, कि पाकिस्तान ने इस लड़ाई में मिसाइल, एयर बेस तथा 100 आतंकवादी गंवाए, भाजपा की “तिरंगा यात्रा” में जोश भरने का प्रयास जरूर किया।

ब्रह्मा चेल्लानी का कहना है कि कश्मीर का मुद्दा उठाये बिना पाकिस्तान से पीओके और आतंकवाद पर बातचीत करना असंभव होगा।
आज मीडिया को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने ट्रंप के एक और दावे को खारिज किया। ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर वे युद्धविराम पर सहमत नहीं होंगे तो अमेरिका उनके साथ व्यापार नहीं करेगा। जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका के नेताओं के बीच हुई बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं था।
रविवार को भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा के आवास पर हुई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों-जैसे अमेरिका की भूमिका और कश्मीर मुद्दे पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की संभावना पर चर्चा की गई। बैठक में इन प्रश्नों के जवाबों पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित, विपक्षी नेता इन मुद्दों पर सरकार से स्पष्टीकरण देने के लिए सर्वदलीय (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शशि थरूर किसके प्रवक्ता हैं, कांग्रेस के या मोदी के?

— डॉ. सतीश मिश्रा —
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो —
नई दिल्ली, 13 मई। राजनैतिक गलियारों में इन दिनों ये चर्चाएं और अफवाहें सुनने को मिल रही हैं कि क्या कांग्रेस सांसद शशि थरूर भाजपा में पहुंच गये हैं, क्योंकि “ऑपरेशन सिंदूर” के बाद, वे नरेन्द्र मोदी सरकार के अनौपचारिक प्रवक्ता की तरह काम करते नजर आ रहे हैं। सर्वविदित है कि ऑपरेशन सिंदूर के अन्तर्गत, भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने 7 मई को पड़ोसी देश पाकिस्तान के आतंकी शिविरों पर सटीक स्ट्राइक की थी।
ये अफवाहें उस समय विश्वसनीय लगने लगीं, जब तिरुवनपुरम सांसद थरूर ने उस मुद्दे का उल्लेख किया, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार शाम को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में अनकहा छोड़ दिया था—अर्थात दोनों न्यूक्लियर पड़ोसियों पर युद्धविराम के लिए दबाव डालने की अमेरिका की भूमिका का मुद्दा।
सोमवार शाम को मोदी के राष्ट्र के नाम संदेश से पहले, थरूर ने जाने-माने पत्रकार करण थापर को दिये गये एक

- क्योंकि, अब ऑपरेशन “सिन्दूर” पर थरूर न केवल अपनी पार्टी से भिन्न मत प्रस्तुत कर रहे हैं, बल्कि, वो तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, भाजपा सरकार की ओर से, जो स्वयम् मोदी या उनके अफसर या उनके पार्टी के नेता प्रस्तुत करने से हिचकिचाते हैं।
- जब थरूर से पूछा गया क्या कि आप अब भाजपा “जॉइन” कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक किसी भी पार्टी का इतिहास, सोच, व मान्यताएं पूर्णतया अंगीकार नहीं कर लेते उस पार्टी को “जॉइन” करना गलत मानते हैं। पर वे, “इंडिपेंडेंट” तो रह ही सकते हैं।

इंटरव्यू में जोर देते हुए कहा कि अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को शर्मिन्दगी उठानी पड़ेगी, क्योंकि भारत, पाकिस्तान के साथ गनपॉइंट पर तो समझौता करने से रहा। और ट्रंप तथा अमेरिकन सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने यह बात कही भी है।
आश्चर्य की बात यह है कि थरूर ने वह बात कह दी, जिसे कहने की हिम्मत प्रधानमंत्री मोदी नहीं चुटा सके, जिस बात को उनकी सरकार का कोई मंत्री नहीं कह पाया, और यहां तक कि विदेश मंत्रालय के अधिकृत प्रवक्ता भी जिसे

कहने का साहस नहीं कर सके।
थरूर, जो विदेशी मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं, ने थापर के एक प्रश्न के उत्तर में कहा, “हम भारत की विदेश नीति के सम्पूर्ण सिद्धान्त को उनके सिर पर नहीं उड़ेल रहे हैं। हम अपने सिर पर रखी बंदूक की नौक के डर से भी समझौता करने वाले नहीं हैं।
शनिवार की शाम को राष्ट्रपति ट्रंप ने इस बात का तीन बार श्रेय लिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को “पूर्ण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- याचिका में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा को चुनौती दी।

खंडपीठ ने यह आदेश अभियुक्त शाहबाज हुसैन को आपराधिक याचिका पर प्रार्थनिक सुनवाई करते हुए दिए। दूसरी ओर मामले के एक अन्य अभियुक्त, सरवर आजमी ने भी निचली अदालत के सभा के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी है।
याचिका में अधिवक्ता फाहरुख अहमद ने बताया कि बम धमाकों के मूल मामले में विशेष न्यायालय ने याचिकाकर्ता को बरी कर दिया था। शेष (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

—सुकुमार साह—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 13 मई। आतंकी हमले, जवाबी हमले, ड्रोन स्ट्राइक और पलटवार, और फिर दोनों देशों के दावे, कि किसे कितना नुकसान हुआ, यह सब दक्षिण एशिया में सुर्खियों में हैं। लेकिन पश्चिमी मीडिया की प्रतिक्रिया काफी मौन और धीमी रही है। जब दो परमाणु शक्ति संपन्न देश टकराव के कगार पर हों, तो वैश्विक स्तर पर अधिक तीव्र प्रतिक्रिया की अपेक्षा की जाती है। इसके विपरीत, इन घटनाओं का कवरेज छुटपुट, यदाकदा और मध्यम रहा और यूक्रेन, गाज़ा या अमेरिका की राजनीति जैसे मुद्दों की छाया में कहीं दबा हुआ सा रहा, ऐसा क्यों?

इसका उत्तर भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं, मीडिया की आर्थिक रणनीति और रिस्क नहीं लेने की संपादकीय मनोवृत्ति के जटिल जाल में छिपा है।
पहला कारण है, वृत्तांत थकावट (नैरेटिव फटीग)। पश्चिमी न्यूज़रूम पहले से ही यूक्रेन के युद्ध और गाज़ा की मानवीय त्रासदी जैसे उच्च-तीव्रता वाले

- जबकि, दोनों देश न्यूक्लियर हथियारों से सुसज्जित हैं, और किसी भी देश की नादानी/नासमझी/गैर जिम्मेदाराना सोच/एक्सीडेंट के विश्व के लिए भयानक व दर्दनाक (डैवस्टेटिंग) परिणाम हो सकते हैं।
- इन मीडिया की इस युद्ध के प्रति बे परवाह सोच व रवैये का विश्लेषण उठाना ही जरूरी है, जितना इस युद्ध को विश्व युद्ध में परिवर्तित होने से रोकना।

वैश्विक संकटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में दक्षिण एशिया की खबरें तब तक ध्यान में नहीं आतीं, जब तक कि वे किसी भयानक स्तर तक न पहुँच जाएं। नैरेटिव फटीग का अर्थ है कि सम्पादक और पत्रकार विश्वभर में व्याप्त हाई इंटेंसिटी संकटों को कवर करते-करते थक गए हैं। संपादकों और पत्रकारों की ऊर्जा और संसाधन सीमित हैं।
यूक्रेन पर रूस की चढ़ाई तथा गाज़ा का मानवीय संकट, जैसी ग्लोबल खबरों के कारण साउथ एशिया सहित अन्य क्षेत्रों को अक्सर कम कवरेज मिलता है। भारत-पाक प्रतिद्वंद्विता को एक “स्थायी क्षेत्रीय झगड़े” के रूप में देखा जाता है, न कि किसी तात्कालिक

वैश्विक संकट के रूप में। इस नज़रिए का सूक्ष्म खतरा यह है कि दक्षिण एशिया में परमाणु तनाव को सामान्य मान लिया गया है, जबकि स्थिति गंभीर होती जा रही है।
वास्तविक खतरा इस रवैये से पैदा होने वाली आत्मसंतुष्टि (कम्प्लैसन्सी) में निहित है। दक्षिण एशिया में परमाणु तनाव को सामान्य मानकर या अनदेखा करके दुनिया बढ़ते तनाव और संघर्ष के संकेतों को मिस कर सकती है, जिससे गलत अनुमान लगाने का संकट का खतरा बढ़ जाता है।
दूसरा कारण है, इस क्षेत्र की रिपोर्टिंग में चुनौतियाँ। संघर्ष क्षेत्रों, जैसे कि कश्मीर में पत्रकारों की पहुँच

सीमित है। भारत और पाकिस्तान दोनों ही अपने-अपने पक्ष को आक्रामक रूप से प्रचारित करते हैं। स्वतंत्र सत्यापन की कमी के कारण संपादक किसी भी पक्ष के दावों को प्रमुखता देने से कतराते हैं। परिणामस्वरूप, इस तरह की खबरें सावधानी बरतते हुए लिखी जाती हैं और उन खबरों के आगे इन्हें उन्हें प्राथमिकता नहीं दी जाती, जिनकी पुष्टि की जा सकती है और जो आसानी से मिल जाती हैं।
इसके अलावा, पश्चिमी मीडिया अब “पक्षपाती” दिखने से बचना चाहता है। अगर भारत की सैन्य कार्यवाही को उजागर किया गया, तो मानवाधिकार संगठनों या पाकिस्तानी आलोचकों की आलोचना का सामना करना पड़ेगा। वहीं, अगर पाकिस्तान की उकसावे वाली भूमिका को उजागर किया गया, तो भारतीय समर्थकों की तीखी प्रतिक्रिया हो सकती है। ऐसे में “संतुलन” के नाम पर मीडिया एक हल्की और सतही रिपोर्टिंग का सहारा लेता है।
एक और कारक है, पाठकों व (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘ऑपरेशन सिंदूर अब भारत का “न्यू नॉर्मल” है’

नयी दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह सवेरे आदमपुर वायु सेना स्टेशन पहुंचे और वहां मौजूद वायुयुद्धाओं तथा अन्य जवानों से बातचीत की। पाकिस्तान ने इस वायु सेना स्टेशन पर लड़ाकू विमानों

- आदमपुर वायु सेना स्टेशन पर सैनिकों के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा। मोदी ने वायु रक्षा प्रणाली एस-400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का पर्दाफाश कर दिया कि एस-400 नष्ट हो गई हैं।

तथा ड्रोन से हमले का असफल प्रयास किया था। मोदी ने भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस 400 के समक्ष जवानों को संबोधित कर पाकिस्तान के उस झूठ का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत-पाक युद्ध एक मध्यकालीन (मिडीवल टाइम्स) युद्ध है, जो, 2 1वीं शताब्दी में लड़ा जा रहा है

—अंजन राॅय—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 13 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस व्यक्ति की तरह दिखे, जो एक अदृश्य शत्रु से लड़ रहा हो।
उनका बयान भले ही देश के भीतर भी असर डालता हो, लेकिन मुख्य रूप से यह बाहरी दुनिया के लिए था। वे उस चीज के खिलाफ लड़ रहे थे, जिसका नाम नहीं लिया गया, लेकिन जिसे बहुत व्यापक रूप से फैलाया गया। वॉशिंगटन और अमेरिका में अफवाहें चल रही थीं कि भारत व पाक में अचानक हुआ युद्धविराम अमेरिका ने इसलिए करवाया, क्योंकि उसकी खुफिया जानकारी के अनुसार, भारत की विनाशकारी वायु शक्ति से परेशान पाकिस्तान परमाणु हमला करने की योजना बना रहा था।
लेकिन इस पृष्ठभूमि में मुख्य मुद्दा यह है कि भारत में आधिकारिक रूप से युद्धविराम घोषित होने से पहले ही

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उसकी घोषणा कर दी थी।
प्रधानमंत्री के बयान और भारत की परमाणु नीति पर उनके वक्तव्य को इसी संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। पर्दे के पीछे क्या-क्या चल रहा था, वो असली बातें शायद वर्षों बाद सामने आएंगी, उम्मीद है कि तब ये आपसी संघर्ष केवल इतिहास बनकर रह जाएगा।
लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति का सार्वजनिक बयान और फिर टेलीविजन पर इसे दोहराने से पूर्ण घटनाक्रम मज्जाक बनकर रह गया है। ऐसा लगता है, जैसे अमेरिका का सर्वोच्च पद एक बचकाने, अविवेकी, उद्दण्ड के हाथ में चला गया है, जो लगभग मूर्खता की सोमा पर है।
डॉनल्ड ट्रंप को भारत-पाक के बीच के संघर्ष की न तो समझ थी, न ही कोई जानकारी।
दुर्भाग्यवश, भारत एक बार फिर पाकिस्तान के साथ एक मध्ययुगीन संघर्ष में उलझ गया, पाकिस्तान, जो

- पर, त्रासदी यह है कि यह “मिडीवल वॉर”, तीर-कमानों, तलवारों व भालों से नहीं, बल्कि, 21वीं सदी के खतरनाक व भयानक हथियारों से (न्यूक्लियर बम) मिसाइल व ड्रोन से लड़ा जा रहा है।
- प्र.मंत्री मोदी की विडम्बना है कि वे एक अदृश्य शत्रु से लड़ रहे हैं, वॉशिंगटन व पाकिस्तान की अफवाह गढ़ने वाली एजेंसियों से, जो टी.वी. व सोशल मीडिया का जमकर उपयोग करते हैं, पर सामने नहीं आते।

अपने पड़ोसी के खिलाफ एक “पवित्र युद्ध” लड़ रहा है।
इस संघर्ष की शुरुआत का भद्दा स्वरूप यह रहा, एक समूह ने निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी, और उनके निजी अंगों की जांच कर उनकी पहचान की। अगर भविष्य में कोई इतिहासकार इस संघर्ष को लिखेगा, तो शायद वह इसे ऐसे कहेगा “युद्ध जिसका कारण.....है।” अपराध की यह क्रूरता इतनी धिन्नैनी थी कि उसका उल्लेख

करना भी कठिन है।
और इससे भी ज्यादा अविश्वसनीय बात यह है कि इक्कीसवीं सदी का एक देश इन अपराधियों की रक्षा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं, भारत की स्थिति देखिए, वह इस जघन्य अपराध के चारों ओर बने चक्रव्यूह में फंस गया। इन आतंकवादियों को सजा दिए बिना भारत पीछे नहीं हट सकता था और वो भी सबसे स्पष्ट और प्रभावशाली तरीके से।

इस संदर्भ में, डॉनल्ड ट्रंप की युद्धविराम पर टिप्पणी तो देखिए। उन्होंने कुछ इस तरह कहा: “मैंने इन दोनों देशों के नेताओं से कहा, यह लड़ाई बंद करो। मैं तुम्हारे साथ व्यापार करूंगा। बहुत सारा व्यापार। लड़ाई बंद करो। अभी बंद करो। नहीं तो मैं व्यापार नहीं करूंगा। और उन्होंने लड़ाई बंद कर दी।”
क्या इससे ज़्यादा हास्यास्पद कुछ हो सकता है? एक “पवित्र युद्ध” को व्यापार के प्रस्ताव से रोक रहे हैं। यह एक मानसिकता का संघर्ष है, वह मानसिकता, जिसे कुछ समय पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने व्यक्त किया था, जिसे “मुल्ला मुनीर” के नाम से जाना जाता है, जो उसके लिए सटीक नाम है।
इस मानसिकता को संबोधित कैसे किया जाए? यह जिहादी मानसिकता है। इसका इलाज किसी युद्धक्षेत्र में नहीं, बल्कि तब हो सकता है, जब किसी देश की मानसिकता को एक मनोचिकित्सक

के पास ले जाकर इलाज कराया जाए या फिर जब तक उस मानसिकता को शारीरिक रूप से पूरी तरह नष्ट न कर दिया जाए।
यह वही नैतिक संघर्ष है, जिसका जिक्र अर्नेस्ट हेमिंग्वे ने स्पैनिश गृहयुद्ध पर अपने उपन्यास में किया है। यही बौद्धिक टकराव विलियम फॉर्नर के उपन्यासों में भी झलकता है।
अब सोचिए, डॉनल्ड ट्रंप का चीन के साथ क्या झगड़ा है? के अक्सर चीन के साथ व्यापार असंतुलन को लेकर झुंझलाते रहते हैं, कहते हैं कि चीन ने अमेरिका की तकनीक और शोध चुरा लिया, चीन ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था का दुरुपयोग कर अमेरिका की निर्माण शक्ति को बर्बाद कर दिया।
इन्हीं अमेरिकी संसाधनों और धन से चीन ने आधुनिक हथियारों का भंडार खड़ा किया है - परमाणु हथियार, हाइपरसॉनिक मिसाइलें, नौसैनिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने इस संबंध में की जा रही कार्यवाही का ब्यौरा पेश करने के निर्देश दिये।

एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वंप्रतिर प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि हम राज्य सरकार पर दबाव डालकर न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा नहीं चाहते, लेकिन न्यायिक अधिकारियों को अपनी सुरक्षा को लेकर किसी तरह का डर नहीं होना चाहिए।
सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

●●●●●

⊕

●●●●●

⊕

●●●●●

⊕

●●●●●

CMYK

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

डिजिटल प्रौद्योगिकी ने सिनेमा के अनुभव को बदल दिया है

इन दिनों यह परिभाषित करना कठिनतर होता जा रहा है कि सिनेमा क्या है? अब ज्यादातर लोग सिनेमाघरों में जाने की बजाय विशाल फ्लैट स्क्रीन टीवी, हाथ में रख सकने वाले टैबलेट, मेज पर रखे कंप्यूटर या अपने स्मार्टफोन पर चलचित्र देखते हैं। सिनेमा के दृश्यों को अब सेल्युलॉइड फिल्म पर नहीं उतारा जाता। अब डिजिटल माध्यम से वीडियो फॉर्मेट में चलचित्र बनाये जाते हैं। कभी कैमरा, लाइट, फिल्म, प्रोजेक्टर और स्क्रीन का रिश्ता हुआ करता था। लेकिन ये सभी इतिहास की चीजें बनती जा रही हैं। तकनीकी छलांग ने फिल्में बनाने और प्रदर्शित करने के तरीकों को ऐसा आमूल बदला है कि आईफोन के कैमरे की संभावनाओं से रोमांचित महान फिल्मकार ज्यों लुक गो‘दार की यह भविष्यवाणी सच हो साबित हो रही है कि फोन कैमरे फिल्म निर्माताओं की एक नई पीढ़ी को जन्म देंगे। अब तो एक साधारण हैंडहेल्ड डिवाइस से कोई भी फिल्म शूट कर सकता है, उसे संपादित कर बड़े पैमाने पर वितरित कर सकता है। इस तरह नये सिनेमा में छवियों को पकड़ने तथा उनके माध्यम से कहानी कहने का शिल्प बदल गया है। व्यावसायिक मनोरंजन की दुनिया में तो नया सिनेमा ध्वनि के माध्यम से दर्शकों को छवियां दिखाए का प्रयत्न कर रहा है। एक प्रकार से उसने दृश्यों के प्रेमिंग की धारणा को ही बदल कर रख दिया है। सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जो समय के साथ लगातार विकसित होता रहा है। सिनेमा की शुरुआत मूक फिल्मों से हुई। आज हम वीएफएक्स, सीजीआई और 3डी तकनीक से युक्त सिनेमा का आनंद ले रहे हैं। इस पूरे विकास क्रम में क्रांतिकारी मोड़ तब आया जब परंपरागत सेलुलॉइड फिल्मों की जगह डिजिटल फॉर्मेट ने ले ली। इस परिवर्तन ने न केवल फिल्मों के निर्माण की तकनीक को बदला, बल्कि उनके वितरण, प्रदर्शनी और दर्शकों की देखने की आदतों को भी पूरी तरह से बदल दिया। परंपरागत सिनेमा में कैमरे के जरिए शूट करके फिल्म को रील पर दर्ज किया जाता था। इसमें भारी-भरकम कैमरे, रील्स और डार्करूम में डेवलपिंग जैसी प्रक्रिया शामिल होती थी। वहीं, डिजिटल फॉर्मेट के आगमन से यह पूरी प्रक्रिया बदल गई और कहीं अधिक सहज, तीव्र और किफायती हो गई है। आज फिल्मकार हार्ड-डेफिनिशन (एचडी), 4के और 8के जैसे डिजिटल कैमरों का उपयोग कर रहे हैं, जिन्से शूटिंग की गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है। एडिटिंग भी अब डिजिटल सॉफ्टवेयर के माध्यम से की जाती है जैसे- ‘अडोबी प्रीमियर’, ‘फाइनल कट प्रो’ आदि, जिससे फिल्म संपादन सरल, तेज और अधिक सटीक हो गया है। डिजिटल फॉर्मेट ने स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं और नए निर्देशकों को भी फिल्में बनाने के अवसर दिये हैं, क्योंकि इसमें निर्माण, वितरण और प्रदर्शन की लागत परंपरागत फिल्मों की तुलना में बहुत कम हो जाती है। पहले मूल निगेटिव से फिल्मों के प्रिंट बनते थे और फिल्मों की रीलें डिब्बों में रखी जाती थी और ये डिब्बे पेटियों में बंद कर थियेटरों में प्रदर्शन के लिए भेजे जाते थे। डिजिटल फॉर्मेट ने इसे पूरी तरह बदल दिया है। अब फिल्में हार्ड ड्राइव्स, इंटरनेट या स्टैलाइड के जरिए थियेटरों तक पहुंचा जा सकती हैं। इससे वितरण और प्रदर्शन लागत में भारी कमी आई है। डिजिटल सिनेमा पैकेज (डीसीपी) एक ऐसा फॉर्मेट है जिसमें फिल्म को एन्क्रिप्टेड रूप में भेजा जाता है, जिससे पाइरेसी को भी निषिद्धित किये जाने के उपाय किए जाते हैं।

थियेटर अब डिजिटल प्रोजेक्टर से सुरुजिजत हैं, जिससे रील बदलने की आवश्यकता नहीं होती, और दर्शकों को अधिक स्पष्ट और आकर्षक चित्र देखने को मिलते हैं। डिजिटल सिनेमा ने दर्शकों के लिए फिल्म देखने के अनुभव को भी अत्यधुनिक बना दिया है। डिजिटल फिल्में 4के रिजॉल्यूशन और डॉल्बी डिजिटल साउंड जैसे फीचर्स के साथ आती हैं, जिससे थियेटर में सिनेमा देखने का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। डिजिटल तकनीक के कारण ही आज दर्शक 3डी फिल्मों और अद्वुत वीएफएक्स का अनुभव ले पा रहे हैं, जो परंपरागत सिनेमा में संभव नहीं था। लेकिन अब नई प्रौद्योगिकी दर्शकों को सिनेमाघरों से दूर भी कर रही है तथा डिजिटल प्लेटफॉर्मस सिनेमा और टीवी के बीच की रेखा धुंधली कर दे रहे हैं। अब बड़े फिल्मी सितारे और निर्देशक भी वेब सीरीज बना रहे हैं, जो कभी सिर्फ टीवी

अब हर व्यक्ति जिसके पास कहने को कुछ है, वह फिल्म बना सकता है। आज स्मार्टफोन से भी अच्छी क्वालिटी की फिल्में बन रही हैं। इसका उदाहरण है ‘आईफोन 7 प्लस पर शूट की गई ‘अनसेन’ जैसी फिल्में, जो व्यावसायिक सफलताएं भी पा रही हैं। हालांकि इससे सामाजिक नैतिक मुद्दों के सवाल भी उठ रहे हैं।

कलाकारों को पहली बार मंच मिल रहा है और इसी कारण अब नये-नये सामाजिक, राजनीतिक और संवेदनशील मुद्दों पर फिल्में बनाई जाने लगी हैं, जो पहले संभव न था। हालांकि इससे सामाजिक नैतिक मुद्दों के सवाल भी उठ रहे हैं। डिजिटल सिनेमा ने रोजगार के नए अवसर भी पैदा किए हैं। एडिटिंग, कलर ग्रेडिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, वीएफएक्स, साउंड इंजीनियरिंग जैसी डिजिटल स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ी है। अब कलाकार और तकनीशियन स्वतंत्र रूप से ऑनलाइन प्लेटफॉर्मस के माध्यम से काम पा सकते हैं, जो पहले कठिन था। डिजिटल फॉर्मेट ने परंपरागत सिनेमा के लगभग हर पहलु को प्रभावित किया है – चाहे वह निर्माण हो, वितरण हो, प्रदर्शन हो, विषयवस्तु हो या दर्शकों का अनुभव। इसने सिनेमा का सार्वजनिकरण कर दिया है। यह परिवर्तन जितना तकनीकी है, उतना ही सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। हालांकि, इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मस पर कंटेंट की अधिकता से गुणवत्ता का ह्रास, थिएटर संस्कृति का क्षरण और पाइरेसी के नये जातों। फिर भी यह कहना उचित होगा कि डिजिटल फॉर्मेट ने सिनेमा को एक नई दिशा और ऊँचाई दी है, जिससे भविष्य के लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

भारत में सिनेमा मनोरंजन व्यवसाय जगत का बड़ा खिलाड़ी रहा है। इस बाजार में अब फिल्मों को भी फ्रैंचाइजी या एपिसोडिक फॉर्म में देखा जा रहा है, जो टीवी सीरियलों की तरह हर फिल्म में कुछ अधूरी कहानी छोड़ता है ताकि दर्शक अगली कड़ी का इंतजार करें। टीवी सीरियल्स की तरह अब डिजिटल फिल्मों और वेब सीरीज में किताबों की पहाड़ी, लंबे प्लॉट, और धीमी गति से कहानी को विस्तार देखा जा सकता है, जो पारंपरिक दो-तीन घंटे की फिल्मों में मुश्किल होता था। अब दर्शक बिज-ऑप्शन (एक साथ कई एपिसोड देखने) के आदी हो चले हैं। इसलिए सिनेमा को भी उनके अनुरूप खुद को ढालना पड़ा है, जिससे उसका फॉर्मेट और टेम्पो टीवी सीरियल जैसा महसूस होने लगा है। डिजिटल कैमरा, वीएफएक्स और एडिटिंग टूल्स की वजह से अब कम बजट में भी ऐसा कंटेंट बनाया जा सकता है जो बड़े सिनेमा जितना भव्य हो। हालांकि डिजिटल तकनीक ने सिनेमा को कहानी कहने के तरीके, दर्शकों की आदतें और प्रस्तुतिकरण में टीवी सीरियल जैसा बना दिया है, लेकिन यह भी सच है कि इससे स्वतंत्र रचनाकारों को नई आजादी मिली है और उनके लिए विविधता और प्रयोग के अवसर बढ़ गए हैं। भले ही उन लोगों की संख्या बढ़ गई है जो अब घर बैठे फिल्में देखना पसंद करते हैं, लेकिन बड़े परदे का अनुभव, साउंड क्वालिटी और थिएटर का माहौल अब भी अनोखा बना हुआ है। खासकर बड़े बजट की फिल्में अपने विजुअल तथा साउंड इफेक्ट्स के जरिए दर्शकों को सिनेमाघरों की ओर खींचती हैं और सफल भी होती हैं। मगर युवा दर्शक छोटे फॉर्मेट,जैसे यूट्यूब, रील, शॉर्ट फिल्मकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। लंबी फिल्मों के बजाय अब वेब सीरीज और एपिसोडिक कंटेंट ज्यादा देखे जा रहे हैं। एक समय था जब दर्शक फिल्म शुरू होने से पहले बड़े ध्यान से सेंसर सर्टिफिकेट को देखा करते थे, और उसमें खास तौर पर फिल्म की रीलों की संख्या और लंबाई पर अवश्य नजर डालते थे। फिल्में तब सेलुलॉइड रीलों पर आती थीं, और एक रील लगभग 1000 फीट की होती थी, जो लगभग 10-11 मिनट की फिल्म को समेटती थी। तो अगर किसी फिल्म में 15-16 रीलें होती थीं, तो वह फिल्म लगभग ढाई घंटे की मानी जाती थी। अब डिजिटल युग में यह चलन खत्म हो गया है - फिल्में डिजिटल प्रोजेक्शन से चलती हैं, रीलें नहीं होतीं, और सेंसर सर्टिफिकेट को कोई नहीं देखता है। पर सभीशर्कों का कहना है कि यह बदलाव केवल ‘फॉर्मेट’ में है, सिनेमा के प्रति प्रेम में नहीं, जो अब भी बना हुआ है। डिजिटल युग में कंटेंट की भारी संशर्का से कभी-कभी गुणवत्ता प्रभावित होती लगती है, लेकिन अच्छी कहानियां फिर भी टिकती हैं और दर्शकों का ध्यान खींचती हैं। परिवर्तन के दौर में सिनेमा एक नया रूप ले रहा है। डिजिटल युग के सिनेमा में प्रयोग, विविधता और व्यापक पहुंच जैसी संभावनाएं हैं। डिजिटल फॉर्मेट पुराने जमाने में बनी फिल्मों के संरक्षण और उनको मूल जैसी अवस्था में संरक्षित करने अथवा रेस्टोरेशन को भी संभव बना रहा है। अनेक क्लासिक फिल्मों को डिजिटल रूप में स्कैन कर सुरक्षित किया गया है, जिससे वे अगली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके। डिजिटल तकनीक की मदद से पुरानी फिल्मों के ध्वनि और रंग को सुधारा जा सकता है, जिससे वे परदे पर वैसी सी स्पष्ट नजर आती हैं जैसी वे अपने प्रथम प्रदर्शन के समय थीं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)



अविनाश जोशी

भारत-पाक युद्ध पर आध्यात्मिक विचारों और भक्ति भाव का प्रभाव एक महत्वपूर्ण विषय है एवं इस विषय पे मंथन हमारे विचारों को ओर अधिक आत्मिक बल एवं शक्ति प्रदान करता है। आस्था, मनोबल और राष्ट्रवाद का संगम अगर विचारों में आ जाए तो हमारा सैन्य बल एवं सीमाओं में रहने वाले नागरिक ज्यादा आत्मविश्वास से ओगे बढ़ सकते है।

युद्ध, मानवीय इतिहास का एक क्रूर और विनाशकारी अध्याय रहा है, जहाँ जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा धुंधली पड़ जाती है। ऐसे विषम परिस्थितियों में, सैन्य रणनीतियों और हथियारों के अलावा, कुछ अदृश्य शक्तियाँ भी निर्णायक भूमिका निभाती हैं – वे हैं आस्था, विश्वास और भक्ति। ये तत्व न केवल सैनिकों के मनोबल को प्रभावित करते हैं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक चेतना और युद्ध के प्रति दृष्टिकोण को भी आकार देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्षों का इतिहास मात्र सैन्य रणनीतियों या राजनीतिक दब-पंचों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि यह उन अदृश्य शक्तियों और मानवीय भावनाओं का भी दर्पण है जिन्होंने युद्ध के मैदान और जनसैन्य दोनों को प्रभावित किया है। इन युद्धों के दौरान, आध्यात्मिक विचारों और भक्ति का

गहरा प्रभाव देखा गया, जिसने सैनिकों के मनोबल, नागरिकों को एकजुटता और राष्ट्रवाद की भावना को अप्रत्याशित रूप से आकार दिया। विचारधारा और औचित्य का आधार भारत-पाक विभाजन स्वयं धार्मिक पहचान के आधार पर हुआ था, जिसने दोनों राष्ट्रों के बीच एक मूलभूत वैचारिक अंतर पैदा किया।

युद्ध के मैदान में सैनिकों को अक्सर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की चरम चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, किसी उच्च शक्ति, अपने देश के आदर्शों, या अपने उद्देश्य की पवित्रता में अटूट आस्था उनमें अलम्य साहस और दृढ़ संकल्प भर देती है। यह विश्वास है कि किसी बड़े उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं या किसी सैन्य बल एवं सीमाओं में रहने वाले इश्वरीय शक्ति का आशीर्वाद उनके साथ है, उन्हें भय और अनिश्चितता के बावजूद आगे बढ़ने की शक्ति देता है। देशभक्ति या धार्मिक प्रतीकों के प्रति गहरी भक्ति सैनिकों को अपनी जान की परवाह किए बिना कर्तव्य पथ पर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, यह मानते हुए कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

भारतीय संदर्भ में, भगवद गीता में वर्णित धर्म युद्ध का सिद्धांत, जो न्याय और सत्य को स्थापना के लिए आवश्यक होने पर युद्ध को एक कर्तव्य मानता है, ने संघर्ष में संलग्न होने के लिए एक नैतिक और दार्शनिक आधार प्रदान किया। यह विचार कि अन्याय और हिंसा के समक्ष निष्क्रिय रहना स्वयं एक अधर्म है, भारतीय सैनिकों और नागरिकों के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा स्रोत बना।

मनोबल और प्रेरणा में भक्ति का योगदान

युद्धकाल में सैनिकों के मनोबल को बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, और यहाँ भक्ति व आध्यात्मिक विश्वासों ने एक महत्वपूर्ण भूमिका

निभाई। इश्वर में अटूट विश्वास, कर्म के सिद्धांत और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने की भावना ने सैनिकों को अत्यधिक दबाव और जीवन-मृत्यु की परिस्थितियों में भी अडिग रहने की शक्ति दी।

इसका सबसे सशक्त उदाहरण राजस्थान के जैसलमेर जिले में स्थित तनोट माता मंदिर है। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों के दौरान, यह माना जाता है कि पाकिस्तानी सेना द्वारा गिराए गए सैकड़ों बम मंदिर परिसर को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सके। इस घटना को सैनिकों और स्थानीय लोगों ने माता के आशीर्वाद के रूप में देखा। यह मंदिर भारतीय सेना के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा स्रोत बन गया है और इसे दिव्य संरक्षण के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। यह दिखाता है कि कैसे धार्मिक आस्थाएँ युद्ध के बीच भी सैनिकों को आशा और सुरक्षा की भावना प्रदान कर सकती हैं। कई सैनिकों ने युद्ध के मैदान में भी अपनी व्यक्तिगत भक्ति को बनाए रखा।

युद्ध से पहले या दौरान प्रार्थना करना, अपने इष्टदेव का स्मरण करना, या धार्मिक ठाँवों का पाठ करना सैन्य बल को मानसिक शांति और आंतरिक शक्ति प्रदान करता है। लेफ्टिनेंट जनरल हनुत सिंह राठौड़, जिन्हें उनके सैनिक गुरुदेव के नाम से जानते थे, एक ऐसे सैन्य अधिकारी थे जो अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति और नेतृत्व के लिए जाने जाते थे।

उनके आध्यात्मिक मूल्यों ने न केवल उनके व्यक्तिगत आचरण को बल्कि उनके सैनिकों में विश्वास और समर्पण की भावना को भी प्रभावित किया। युद्धकाल में, देशभक्ति को भावना अक्सर धार्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत होती थी। लोग देश को जीत और सैनिकों की सुरक्षा के लिए मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों में विशेष

प्रार्थनाएँ करते थे। धार्मिक स्थलों पर आयोजित सामूहिक अनुष्ठान और भजन-कीर्तन जनता को एकजुट करते थे और उनमें सामूहिक आशा व संकल्प की भावना भरते थे। विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं ने भी इस दौरान अपनी भूमिका निभाई। कुछ ने युद्ध की विभीषिका को समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिए प्रार्थना और सद्भाव का संदेश दिया। वहीं, कुछ ने राष्ट्र की रक्षा और सैनिकों के समर्थन में लोगों को एकजुट होने का आव्हान किया। जैन मुनियों जैसे आध्यात्मिक गुरुओं ने वैश्विक शांति के लिए अपनी प्रार्थनाओं के माध्यम से संघर्षों को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से हल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

अक्सर, आस्था और विश्वास युद्ध में संलग्न होने या उसका समर्थन करने के लिए एक शक्तिशाली प्रेरक शक्ति और औचित्य प्रदान करते हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक संघर्षों को धर्म युद्ध पवित्र कर्तव्य या न्याय के लिए संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया गया है। चाहे वह भगवद गीता का धर्म युद्ध का सिद्धांत हो, जहाँ अन्याय के विरुद्ध संघर्ष को कर्तव्य माना गया है, ये वैचारिक आधार सैनिकों और नागरिकों को यह विश्वास दिलाते हैं कि उनका संघर्ष नैतिक और आध्यात्मिक रूप से सही है। यह प्रेरणा उन्हें अपने उद्देश्य के लिए अडिग रहने और युद्ध की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देती है।

मानसिक सहारा और भावनात्मक लचीलापन

युद्ध का आघात और तनाव सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। आस्था और भक्ति उन्हें इन भयानक अनुभवों से निपटने में मदद करती हैं। प्रार्थना, ध्यान, या धार्मिक अनुष्ठान सैनिकों को मानसिक शांति प्रदान करते हैं और भय, चिंता तथा भावनात्मक सदमे से उबरने में

सहायक होते हैं। नुकसान और हार की स्थिति में भी, विश्वास यह आशा देता है कि अंततः न्याय होगा या उनके साथियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। यह मानवीय लचीलेपन को बढ़ाता है और उन्हें विपरीत परिस्थितियों में भी आशावान रहने की शक्ति देता है।

बलिदान की भावना और नैतिक आयाम

गहरे विश्वास और भक्ति से ओत-प्रोत व्यक्ति अपने देश, अपनी विचारधारा या अपने धर्म के लिए सर्वोच्च बलिदान देने को तैयार रहते हैं। वे मानते हैं कि उनकी मृत्यु एक नेक काम के लिए होगी और उसका कोई आध्यात्मिक या राष्ट्रीय महत्व होगा। युद्ध के बाद, वीरगति प्राप्त करने वाले सैनिकों को अक्सर धार्मिक या सांस्कृतिक नायक के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिससे दूसरों को भी प्रेरित होकर लड़ने की प्रेरणा मिलती है। हालाँकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि आस्था का उपयोग कभी-कभी युद्ध अपराधों को सही ठहराने या मानवीय मूल्यों का उल्लंघन करने के लिए भी किया जा सकता है, जो इस शक्ति के दोहरे पहलु को दर्शाता है।

युद्ध में आस्था, विश्वास और भक्ति की भूमिका केवल एक सहायक तत्व नहीं है, बल्कि यह संघर्षों के मनोविज्ञान और परिणाम को आकार देने वाली एक मूलभूत शक्ति है। यह सैनिकों को आंतरिक शक्ति, प्रेरणा और नैतिक बल प्रदान करती है, वहीं पूरे राष्ट्र को एकजुट करती है और उन्हें कठिन समय में दृढ़ रहने की क्षमता देती है। युद्ध की विभीषिका के बीच, ये मानवीय मूल्य और आध्यात्मिक धारणाएँ आशा की किरण और दृढ़ संकल्प का स्रोत बनी रहती हैं, जो मानवीय सहनशीलता की असीम गहराई को दर्शाती हैं।

—अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

एक प्राचार्य के भरोसे चल रहा है राजलदेसर का राजकीय महाविद्यालय

महाविद्यालय में 20 पद स्वीकृत, वर्तमान में मात्र कला संकाय विषय संचालित है

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर कस्बे में राजकीय महाविद्यालय में लंबे समय से प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मों के रिक्त पद चल रहे हैं जिसमें 7 प्रोफेसर, 13 कार्यालय कर्मों जिसके कारण महाविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

वर्तमान में मात्र एक प्राचार्य के भरोसे चल रहा है। वर्तमान में महाविद्यालय में मात्र एक कला संकाय है जिसमें प्रथम वर्ष में 300 छात्र-छात्राएं अध्यनरत है। द्वितीय वर्ष में 180, तृतीय वर्ष में 160, इसके अलावा साइंस, कॉमर्स का विषय नहीं होने के कारण सीनियर करने वाले छात्र-छात्राओं को अन्यत्र जागह जाना पड़ता है। जिससे उनको समय के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। साथ ही अभिभावकों को भी काफी परेशानी होती है। वहीं रिक्त पदों को लेकर अनेकों बार पूर्व में कांग्रेस सरकार एवं वर्तमान में भाजपा सरकार को राजलदेसर कस्बे के राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं



राजलदेसर कस्बे में राजकीय महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मों के रिक्त पद चल रहे हैं।

सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी की ओर से सरकार को अवगत करा चुके हैं, लेकिन किसी तरह की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके अलावा प्रथम वर्ष कला संकाय में कम सीट होने के कारण 500 आवेदन पिछले सत्र में आए थे, जिसमें मात्र 300 सीट होने के कारण छात्र-छात्राओं को दूसरी

जगह प्रवेश लेना पड़ा। साथ ही आने वाले सत्र में कला संकाय में सीटें और बढ़ाने की आवश्यकता है।

जानकारी अनुसार महाविद्यालय सन् 2020 के अंदर कांग्रेस सरकार में स्वीकृत हुआ था। भवन नहीं बनने के कारण श्री यूनियन क्लब विद्यालय में स्थाई तौर पर शुभारंभ किया गया

था। उसके बाद सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध करवाई गई एवं कांग्रेस की सरकार में नेशनल हाईवे 11 पर भवन का निर्माण हुआ जिसका उद्घाटन 2024 में वर्चुअल उद्घाटन करके भवन पूर्णतया रूप से संचालित होने लगा। उद्घाटन के अवसर पर रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा ने 7. 50

■ **लंबे समय से प्रोफेसर एवं कार्यालयकर्मों के पद रिक्त चल रहे हैं**

■ **छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है**

लाख रुपए की लागत राशि से बच्चों को बैठने के लिए फर्नीचर की घोषणा की, जो महाविद्यालय के अंदर पहुंच चुका है। इसके अलावा राजलदेसर के भामाशाहीं के बीच, ये मानवीय उपकरण उपलब्ध करवाई एवं जूनस कंपनी एवं श्री राजलदेसर गोपाला के संयुक्त तत्वाधान में 2 लाख की अधिक की राशि के ड्रिप पद्धति द्वारा पेड़ पौधे लगाए गए जो आज महाविद्यालय में पेड़ बड़े-बड़े हो चुके हैं, लेकिन सब कुछ होते हुए यहां पर स्टॉफ नहीं होने के कारण छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नए शिक्षा सत्र से पहले इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों को पोस्टिंग मिलेगी

शिक्षा विभाग की ओर से पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी

बीकानेर, (निसं)। चयन परीक्षा में चयनित 30 हजार शिक्षकों को 8 माह से पदस्थापन का इंतजार है। प्रदेश के सभी 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में राज्य सरकार की ओर से प्रवेश के निर्णय के बाद उम्मीद की जा रही है कि एए शिक्षा सत्र से पहले इन स्कूलों में शिक्षकों का पदस्थापन भी हो जाएगा। महात्मा गांधी

इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। चयन परीक्षा का परिणाम 23 दिसंबर को घोषित किया गया। जिसमें करीब 30 हजार शिक्षक चयनित हुए। चयनित शिक्षकों से पोस्टिंग के लिए 41 जिलों के आधार पर शिक्षा विभाग

पूर्व में विकल्प ले चुका है। लेकिन इन शिक्षकों के पदस्थापन से पहले ही राज्य सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए रिज्यू कमेटी का गठन कर दिया। दिसंबर में गठित हुई कमेटी ने दो दिन पूर्व ही फैसला दिया है कि वर्तमान शिक्षा सत्र में एक भी इंग्लिश मीडियम स्कूल को बंद नहीं किया जाएगा। पूर्व

में संचालित सभी इंग्लिश मीडियम स्कूल में वर्तमान शिक्षा सत्र में भी प्रवेश होगा। प्रवेश की प्रक्रिया भी 7 मई से शुरू हो चुकी है। उधर अब चयनित शिक्षक इन स्कूलों में पदस्थापन की मांग कर रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि 1 जुलाई से पहले चयनित शिक्षकों को इन स्कूलों में पदस्थापन दिया जा सकता है। शिक्षा विभाग की

ओर से आयोजित की गई चयन परीक्षा में लगभग 30 हजार शिक्षक का चयन हुआ था। बताया जा रहा है कि इनमें से 25 हजार शिक्षकों ने विभिन्न जिलों में पदस्थापन के लिए विकल्प भरा है। ऑनलाइन सबमिट किए गए विकल्पों के आधार पर ही मेरिट से चयनित शिक्षकों को जिला आवंटित किया जाना है।



पंडित अनिल शर्मा

शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज सर्वाथं सिद्धि और अमृत योग सूर्योदय से दिन 11:47 तक है। राजयोग दिन 11:47 तक रहेगा। आज ज्येष्ठ संक्रांति, सूर्य वृषभ में प्रवेश रात्रि 12:12 पर करेगा। पुष्य काल गुरुवार को रहेगा। पुष्य मिथुन राशि में रात्रि 10:35 पर प्रवेश करेगा।
श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:43 से 12:23 तक, चर 3:43 से 5:22 तक, लाभ 5:22 से सूर्यास्त तक।
राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02

राशिफल

बुधवार 14 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2082, अनुराधा नक्षत्र दिन 11:47 तक, परिध योग प्रातः 6:24 तक, तैत्तिल करण दिन 1:33 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेघ, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज सर्वाथं सिद्धि और अमृत योग सूर्योदय से दिन 11:47 तक है। राजयोग दिन 11:47 तक रहेगा। आज ज्येष्ठ संक्रांति, सूर्य वृषभ में प्रवेश रात्रि 12:12 पर करेगा। पुष्य काल गुरुवार को रहेगा। पुष्य मिथुन राशि में रात्रि 10:35 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:43 से 12:23 तक, चर 3:43 से 5:22 तक, लाभ 5:22 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:02



मेघ

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।



तुला

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।



वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृश्चिक

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।



मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।



धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में दुरुवािा बनी रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।



कर्क

परिजन के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।



मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ घन राज्य सरकार ने महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए रिज्यू कमेटी का गठन कर दिया। दिसंबर में गठित हुई कमेटी ने दो दिन पूर्व ही फैसला दिया है कि वर्तमान शिक्षा सत्र में एक भी इंग्लिश मीडियम स्कूल को बंद नहीं किया जाएगा। पूर्व



सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनगल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य

सार-समाचार

सेवन वंडर्स रोड पर कचरा पोइंट बनेगा पार्क



कोटा, (निसं)। सेवन वंडर्स रोड पर स्थित एक कचरा पोइंट जल्द ही पार्क की शकल ले लेगा। नगर निगम कोटा उत्तर आयुक्त अशोक त्यागी ने इस कचरा पोइंट को जल्द से जल्द समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद मंगलवार से ही कचरा पाईंट को साफ करने का कार्य शुरू कर दिया गया। आयुक्त अशोक त्यागी ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष के निर्देश हैं कि शहर के कचरा पाईंट्स को योजना बनाकर समाप्त किया जाए। इसी को दृष्टिगत रखते हुए सेवन वंडर्स पार्क रोड स्थित इस कचरा पाईंट को समाप्त करने की तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि करीब 2000 वर्गफीट से अधिक के इस प्लॉट में निगम के कर्मचारी और आमजन भी कचरा फेंकते थे। इससे वहां आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी होती थी। इस कचरा पाईंट का मंगलवार को स्वास्थ्य अधिकारी मोती लाल चौधरी के साथ निरीक्षण किया गया। इसके बाद इस जगह को कचरा मुक्त करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई। अगले कुछ दिनों में वहां दीवार बनाने का काम प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस दीवार पर सुंदर चित्रकारी भी करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दीवार का काम पूरा होते ही भीतर पार्क विकसित करने का काम शुरू कर दिया जाएगा। आसपास के लोगों को भी वहां वृक्षारोपण करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पल्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक

कोटा, (निसं)। जिले में संचालित पल्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं अंतर्विभागीय समन्वय को लेकर मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर (सीलिंग) कृष्णा शुक्ला की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा सभी विभागों को समयबद्ध एवं उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से कार्य संपादन के निर्देश दिए गए। बैठक में सड़क कटाई समिति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि समिति की साप्ताहिक बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें संबंधित विभागों से अपेक्षा की गई कि वे पूर्ण कार्ययोजना के साथ बैठक में भाग लें एवं विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि विभागीय समन्वय और समय पर कार्य निष्पादन से जिले की प्रगति सुनिश्चित की जा सकती है। गर्मी एवं आगामी मानसून सीजन को दृष्टिगत रखते हुए सघन आबादी वाले क्षेत्रों में मासमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नियमित सर्वे किए जाने तथा जजजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। नगर निगम को मानसून पूर्व नालों की समय पर सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया, वहीं पीपल्सडी विभाग को जिले में पेयजल की उपलब्धता एवं गुणवत्ता की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए। बैठक में 'संपर्क 2.0' प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे प्रशिक्षण प्राप्त करें तथा यह सुनिश्चित करें कि परिवारों का त्वरित, संवेदनाशील एवं जवाबदेहीपूर्ण निस्तारण किया जाए। बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रजत जयंति वर्ष में सीसीआई देशभर में चलायेगी जागरूकता अभियान : शर्मा

कोटा, (निसं)। कानूनी प्रावधानों के बावजूद भी अधिकतर उपभोक्ता कदम-कदम पर शोषण का शिकार हो रहे हैं। उपभोक्ताओं को जागरूक व संगठित करने के लिये पूरे देश में भारत उपभोक्ता जागरूकता यात्रा निकाली जायेगी। एक दिवसीय यात्रा पर कोटा पहुंचे भारतीय उपभोक्ता परिसंघ (सीसीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अनंत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मिलवाट, कम नापतोल कालाबाजारी, भ्रमक विज्ञापन, डाटा लीकेज, साईबर फ्रॉड और ऑनलाईन शॉपिंग में गडबडी की शिकायतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इन शिकायतों से निपटने के लिये उपभोक्ता का जागरूक व संगठित होना जरूरी है। डॉ.शर्मा ने कहा कि सीसीआई इस वर्ष रजत जयंती समारोह मना रहा है जिसके तहत देश भर में आठ सेमिनार, एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस एवं आठ जोनल कार्यशालाएं आयोजित की जायेगी। सीसीआई देश भर के उपभोक्ता संगठनों का राष्ट्रीय परिसंघ है जिसमे देशभर में सैकड़ों संस्थाएं जुड़ी हुई हैं। संस्था आम उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिये कानूनी मदद के जरिये व जागरूकता के जरिये उपभोक्ताओं की मदद करती है। इस मौके पर सीसीआई राजस्थान की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ज्यौती गौड़ सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

मीट की अवैध दुकानें हटायी

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अशोक त्यागी के निर्देशानुसार मंगलवार को उत्तर के क्षेत्र में अवैध मीट-मांस की बाँडी व दुकानों को हटाने की कार्यवाही की गई। नगर निगम कोटा उत्तर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व अतिक्रमण प्रभारी तरुणकांत सौमानी ने बताया कि किनष्ठ अभियंता नरेन्द्र नागर की अगुवाई में उत्तर क्षेत्र के भदना चौराहा व पुलिया के नीचे एवं गोपाल मील के बाहर अवैध रूप से संचालित मीट-मांस की दुकानों को हटाए जाने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया। साथ ही भीमगंजमण्डी थाना क्षेत्र में भी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि किनष्ठ अभियंता नरेन्द्र नागर व अतिक्रमण जाप्ता टीम ने कार्यवाही के दौरान अस्थाई अतिक्रमण भी हटाया। इस दौरान मीट-मांस की बाँडियों को हटाते वक्त गोपाल मील के बाहर मौजूद मौलाना फिश सेंटर की अवैध बाँडी पर कार्यवाही करते समय संबंधित बाँडी मालिक के पास अवैध देशी कट्टा मिला। जिसके बाद टीम ने तत्काल संबंधित पुलिस थाने को इत्तला दी। संबंधित थाने के पुलिस द्वारा तेजी से कार्यवाही की गई।

टेंट डीलर्स को पाबंद किया

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा उत्तर में आयुक्त अशोक त्यागी के निर्देशानुसार उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया के द्वारा 97 टेन्ट स्वामियों को पत्र जारी कर सार्वजनिक स्थानों पर बिना निगम की अनुमति के टेन्ट नही लगाने के लिए पाबंद किया गया। उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया ने बताया कि नगर निगम उत्तर में बिना निगम की अनुमति के आम रास्तों, सार्वजनिक पार्कों आदि में टेन्ट हाऊस मालिक टेंट लगाकर आम रास्तों को बाधित कर देते हैं। सार्वजनिक सड़कों में गड्डे कर देते हैं जिससे सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं। इसी को लेकर कोटा उत्तर के विभिन्न वाडों में संचालित 97 टेन्ट संचालकों को पत्र जारी कर पाबंद किया गया है कि वह भविष्य में बिना निगम की अनुमति के सार्वजनिक स्थानों व रास्तों पर टेन्ट नही लगाए। यदि लगाते हुए पाये गये तो टेन्ट की जब्ती की कार्यवाही की जाएगी।

माँ भारती सी. सै. विद्यालय, स्वामी विवेकानंद नगर का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

कोटा, (निसं)। घोषित सी.बी.एस.ई. बोर्ड की कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में माँ भारती सी.सै.विद्यालय का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। कक्षा 12वीं में छात्र मौलिक जैन ने 487/500 अंकों प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने रसायन विज्ञान एवं फिजिकल एजुकेशन में 99/100 अंक अर्जित किए। विद्यालय के 35 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक, 68 ने 90 प्रतिशत से अधिक तथा 139 ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। कक्षा 10वीं में छात्रों अथर्व जैन एवं श्रेयांश सिन्हा ने संयुक्त रूप से 494/500 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अथर्व जैन ने संस्कृत एवं गणित में 100/100 और विज्ञान में 99/100 अंक प्राप्त किए। श्रेयांश सिन्हा ने विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान में 99/100 अंक अर्जित किए। विद्यालय के 6 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक, 31 ने 90 प्रतिशत से अधिक और 113 ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। शाला प्राचायाँ मौनिका मलिक और शाला निदेशक उर्वशी विजय ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

डेंगू, मलेरिया की रोकथाम के लिए 1 1 4 3 2 घरों का सर्वे किया

कोटा, (निसं)। कामयाब कोटा बनाना है-डेंगू को हराना है अभियान एवं मलेरिया क्रेश कार्यक्रम के तहत मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की 759 टीमों ने जिले में 11432 घरों का सर्वे कर लावारिधी व जागरूकता गतिविधियां की।

सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र नागर ने बताया कि मौसमी बीमारिया डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि की रोकथाम संबंधी गतिविधियां जारी हैं। टीमों ने 18634 कंटेनरों जिन्में टंकी, कुलर, परिण्डे आदि अन्य की जांच की, इस दौरान लावां पाए 43 कंटेनरों को उपचारित किया, 1033 कंटेनरों को खाली कराया, 593 कंटेनरों में टेमीफोस व 396 स्थानों पर एमएलओ डाला। इस दौरान 208 ब्लड स्लाई भी ली गई। 20 कमरों में पायेरेश्रम का स्प्रे किया गया। आमजन को बचाव-रोकथाम संबंधी जागरूकता के पम्फलेट वितरित किए, पोस्टर व स्टीकर चस्पा किए। सीएमएचओ ने बताया कि 1 अप्रैल से चल रहा मलेरिया क्रेश कार्यक्रम का प्रथम चरण 14 मई बुधवार तक चलेगा। डेंगू, मलेरिया की रोकथाम के लिए 11432 घरों का सर्वे किया।

गैंगस्टर शिवराज सिंह हाड़ा को पेश किया, पुलिस रिमांड पर सौंपा

कोटा, (निसं)। मंदिर की जमीन व पुजारी को धमकाने के मामले में गिरफ्तार गैंगस्टर शिवराज सिंह हाड़ा की पुलिस रिमांड अवधी पूरी होने पर मंगलवार को पुलिस ने कड़ी सुर्खा के साथ में न्यायालय में पेश किया। जहां से गैंगस्टर शिवराज सिंह को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। वहीं मामले में पकड़े गये गैंगस्टर के अन्य साथियों को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया है। गैंगस्टर शिवराज सिंह को पुलिस 15 मई को न्यायालय में पेश करेगी। पुलिस उपअधीक्षक गंगासाहाय शर्मा ने बताया कि हार्डकोर अपराधी

■ अन्य साथी आरोपियों को जेल भेजा

शिवराज सिंह को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि गैंगस्टर सहित पकड़े गये उसके सभी साथी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पुलिस जांच में आरोपियों के पास से दो रिवाल्वर, दो राईफल व 140 से अधिक कारतूस और एक बुलेट शुफ कार बारमूड हुई है। मामले में जांच जारी है। ज्ञात रहे

कि कैथूनीपोल इलाके के पाटनपोल महाप्रभु मंदिर के संरक्षक व पुजारी विनय गोस्वामी ने कैथूनीपोल थाने में रिपोर्ट दी थी जिसमें कहा था कि 4 मई को मंदिर परिसर में अपने कक्ष में बैठे थे।

उसी समय गैंगस्टर शिवराज सिंह हाड़ा अपने कुछ साथियों के साथ मंदिर परिसर में घुसा तथा मंदिर की जमीन को लेकर धमकी दी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए गैंगस्टर शिवराज सिंह हाड़ा सहित उसके सात अन्य साथियों को पकड़ा था।

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, राजस्थान	
 क्रमांक:-नॉन (दक्षिण) को./गया.रा./2025/7461-62 दिनांक:-13.5.25	
सार्वजनिक आपति सूचना	
सर्व साधारण को जर्व आम सूचना सूचित किया जाता है कि श्रीमती मिथलेश शर्मा पत्नी श्री कपिल शर्मा निवासी हरिहर भवन डॉ. धर्मपाल के पास इन्द्रा मॉकेंट बृजराजपुरा कोटा नगर निगम कोटा की होटल/रेस्टोरेन्ट/मैस उपविधि 2016 के अनुसार "STAG NIGHT RESTAURANT" प्लॉट नं. 51 दूंसपोट नगर गोबरिया बाबडी कोटा में संचालन करने की अनुमति चाहती गयी है।	
इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा दक्षिण के ब्लॉक "ए" के प्रथम तल के कमरा नं. 238 में अपनी आपति प्रस्तुत करें। समयावधि परचात कोई आपति स्वीकार नहीं की जावेगी तथा उपविधि 2016 के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित कर दी जावेगी। सूचित हो।	
उपायुक्त राजस्व नगर निगम कोटा (दक्षिण)	

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, राज.उत्तर (राज.)	
 क्रमांक:-नॉनकोट./जोन-प्रथम./भ.नि.अनु./2025/1946 दिनांक: 13.5.25	
स्वामित्व हस्तान्तरण बाबत सार्वजनिक विज्ञपति	
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री होरा सिंह पुत्र श्री लाल सिंह निवासी आवास संख्या के.आर. 191 सिविल लाईन्स नरपपुर कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा उत्तर में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 12 कृष्णा एनक्वेन्ड विस्तार खण्ड गांवडी सिविल लाईन्स कोटा क्षेत्रफल 700 वर्गफुट का स्वामित्व स्वयं के नाम वस्तुतःण करने का निवेदन किया है। खण्ड गांवडी सिविल लाईन्स कोटा स्थित भूखंड का आवंटन म्युनिसिपल बोर्ड शहर कोटा द्वारा सर्वीफिकेट फरोखणी मीनन से श्री दलेल सिंह पुत्र श्री औकार सिंह को किया गया। श्री दलेल सिंह ने जर्व रजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 16.12.1983 से अपनी कुल चत्त व अचल सम्पत्ति को वसीयत श्रीमती सजन कुमारी पत्नी श्री दलेल सिंह के नाम कर दी। श्री दलेल सिंह को मृत्यु दिनांक 08.03.1984 को हो जाने के उपरंत श्रीमती सजवन कुमारी ने जर्व रजिस्टर्ड वसीयत नामा दिनांक 12.06.1996 से उक्त भूखंड के एक भाग की वसीयत श्री दिलीप सिंह पुत्र स्व. श्री दलेल सिंह के नाम कर दी। श्री दलेल सिंह ने वसीयत में प्राप्त भाग क्षेत्रफल 26000 वर्गफुट को जर्व नोटरी मुख्तार नाम आम दिनांक 22.06.2017 से श्री राधु लाल मीणा पुत्र श्री शिव प्रताप सिंह नन्का एन की नन्दलाल मीणा पुत्र श्री जगन्नाथ को मुख्तार आम नियुक्त कर दिया। श्री मातु प्रताप सिंह नन्का एन की नन्दलाल मीणा ने उक्त भाग में से एक भूखंड संख्या 12 कृष्णा एनक्वेन्ड विस्तार खण्ड गांवडी सिविल लाईन्स कोटा क्षेत्रफल 700 वर्गफुट जर्व रजिस्टर्ड विषय पत्र दिनांक 11.01.2019 से श्री होरा सिंह पुत्र श्री लाल सिंह को विक्रय कर दिया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा उत्तर में उक्त भूखंड के स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण करने की किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी जो उक्त भूखंड से संबंध रखते हैं, को कोई आपति हो तो विज्ञपित जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपति लिखित में उपायुक्त नगर निगम कोटा उत्तर कार्यालय प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपति मान्य नहीं होगी।	
उपायुक्त नगर निगम कोटा उत्तर	

कार्यालय नगर पालिका केशवराय पाटन जिला बून्डी (राज.)	
 क्रमांक:- न.पा./भूमि/2025/416-18 दिनांक: 7.5.2025	
आपति सूचना पत्र	
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि: श्री जमनालाल सुमन आ. रामगोपाल निवासी के.पाटन जिला पन्थी राखम्भन द्वारा पत्रावली प्रस्तुत कर कृषि भूमि निगमन के तहत पट्टा नं 776 दिनांक 07.08.2007 साईज 1380 वर्गफीट बांके बाई नं. 2 चम्बल कालीनो के सामने नहर के पास के.पाटन पर स्वयं के नाम नामान्तरण खुलवाना चाहता है। प्रार्थी द्वारा उक्त पट्टाहुआ भूखण्ड जर्व रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 03.09.2019 से मूल पट्टेदार श्री रामगोपाल सैनी आ. गजानन्द श्री माली से प्राप्त हुआ है। मूल पट्टेदार श्री रामगोपाल सैनी आ.गजानन्द श्री माली की मृत्यु दिनांक 23.03.2023 को हो चुकी है। मृत्यु उपरत उक्त पट्टे खुदा भूखण्ड पर रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर श्री जमनालाल आ. रामगोपाल निवासी के.पाटन जिला बून्डी राखम्भन के नाम नामान्तरण खोलने में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपति हो तो योग साक्ष्य सबूत को विक्रय कर दिया 07 योग में इस पालिका में प्रस्तुत कर सकते है। बाद गुजरे अवधि उक्त पट्टे पर श्री जमनालाल सुमन आ. रामगोपाल निवासी के.पाटन जिला बून्डी राखम्भन के नाम नामान्तरण खोलने दिया जायेगा।	
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका के. पाटन	

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा	
 क्रमांक:-एफ।1 विकास/2025/15 दिनांक:-13.5.25	
नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना	
कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा भूखंड संख्या 666 बालाजी नगर आवासीय योजना में आवंटन पत्र क्रमांक 139 दिनांक 07.06.1996 के श्री रामू लाल मीणा पुत्र श्री खयाली राम मीणा के नाम आवंटन किया गया था। श्री रामू लाल मीणा पुत्र श्री खयाली राम मीणा द्वारा उक्त भूखंड का जर्व मुख्तारआम श्री अनिल अग्रवाल पुत्र श्री मोहन लाल अग्रवाल द्वारा जर्व रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 14.07.2010 को श्री हरिप्रकाश सुमन पुत्र स्व. श्री नाथू लाल सुमन को विक्रय कर दिया गया है। अतः श्री हरिप्रकाश सुमन पुत्र स्व. श्री नाथू लाल सुमन द्वारा उक्त भूखंड का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।	
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई धैराराज हो तो विज्ञपित जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 666 बालाजी नगर आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्री हरिप्रकाश सुमन पुत्र स्व. श्री नाथू लाल सुमन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।	
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा	

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा	
 क्रमांक:-एफ।1 विकास/2025/16 दिनांक:-13.5.25	
नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना	
कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास संख्या 495 केशवपुर-9 आवासीय योजना में आवंटन पत्र क्रमांक 332 दिनांक 14.11.1989 को श्रीमती ललिता बाई पत्नी श्री गोपाल लाल के नाम आवंटन किया गया था। श्रीमती ललिता बाई पत्नी श्री गोपाल लाल द्वारा उक्त आवास का जर्व मुख्तारआम श्री गणेश लाल पुत्र श्री बंशी लाल द्वारा जर्व रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 30.03.2025 को श्रीमती मंजू सेन पत्नी श्री गणेश सेन को विक्रय कर दिया गया है। अतः श्रीमती मंजू सेन पत्नी श्री गणेश सेन द्वारा उक्त आवास का स्वामित्व अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।	
अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई धैराराज हो तो विज्ञपित जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 495 केशवपुर-9 आवासीय योजना का नाम हस्तान्तरण श्रीमती मंजू सेन पत्नी श्री गणेश सेन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।	
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण कोटा	

समस्या समाधान शिविर 16 मई को

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में रामगंजमंडी के ग्राम पंचायत पीपल्स के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में 16 मई को प्रातः 10 बजे से समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर ने डॉ.रविन्द्र गोस्वामी ने बताया कि शिक्षा मंत्री शिविर में आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करेंगे।

आयरन की खुराक देकर शक्ति दिवस मनाया

कोटा, (निसं)। एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान के तहत मंगलवार को आंगनबाडी, स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूलों में शक्ति दिवस मनाया। कार्यक्रम में लक्षित बच्चे, किशोर-किशोरी, छात्री माताएं, गर्भवती व प्रजनन उम्र की लाभार्थी महिलाओं की स्क्रीनिंग की गई और हीमोग्लोबिन की जांच कर आईएफए (आयरन फोलिक एसिड) की दवाई नि:शुल्क दी गई। एनीमिया रोग के लक्षण, बचाव, उपचार के प्रति जागरूक किया। पौष्टिक, आयरनयुक्त फल-सब्जी, संतुलित आहार लेने की हिदायत दी। सीएमएचओ डॉ.नरेन्द्र नागर ने बताया कि आईएफए दवाई की खुराक लेने से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी-पूर्ति होती है और एनीमिया के संभावित खतरों से बचाव होता है। इसलिए साप्ताहिक रूप से हर मंगलवार को शक्ति दिवस मनाते हैं।

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा	
 क्रमांक:-एफ-15/क.भू.र./2025/226 दिनांक:-13.5.2025	
सर्व साधारण को जर्व विज्ञपित सूचित किया जाता है कि ग्राम बालिता में स्थित कृषि भूमि योजना वर्षमान रॉयल सिटी ब्लॉक-बी खसरा नं. 361, 362 में स्थित भूखंड संख्या एल-5 क्षेत्रफल 66.91 वर्गमीटर आवेदक/आवेदिका श्रीमती अनिता शर्मा पत्नी स्व. श्री हरिओम शर्मा निवासी 229 कृष्णा विहार चुंगी नाका कुहाड़ी कोटा राज. नाम हस्तान्तरण हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखंड का पट्टा आवेश क्रमांक 1468 दिनांक 21.09.2022 को श्री सिद्धार्थ योगी पुत्र श्री बालमुकन्द योगी के नाम जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखंड का बैचान जर्व रजि. विक्रय पत्र दिनांक 14.02.2025 को जर्व मुख्तारआम श्री दीपक मेहता पुत्र श्री सतीश चन्द मेहता द्वारा आवेदिका के पक्ष में किया गया है।	
अतः श्रीमती अनिता शर्मा पत्नी स्व. श्री हरिओम शर्मा के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपति हो तो अन्दर 7 योग कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपति मान्य नहीं होगी।	
उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा	

	
केंद्रीय हिंदी निदेशालय	
शिक्षा मंत्रालय	
प्रवेश सूचना : 2025-26	
पत्राचार माध्यम से हिंदी सीखें	
हिंदी पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित है। शुल्क: ऑनलाइन डिजिटल मोड/आई.पी.ओ / बैंक ड्राफ्ट द्वारा	
पाठ्यक्रम	शुल्क
	भारतीय मुद्रा में
	विदेशी मुद्रा में
सर्टिफिकेट / डिप्लोमा	रुपये 50/-
	\$ 50 या समतुल्य
एडवांस डिप्लोमा	रुपये 200/-
	\$ 2000 या समतुल्य
- शुल्क राशि निदेशक केंद्रीय हिंदी निदेशालय को देय है। - आवेदन प्रक्रिया : विस्तृत विवरण के लिए www.chd.education.gov.in वेबसाइट पर लॉग ऑन करें। - अधिक जानकारी के लिए कृपया cchd admission@gmail.com ई-मेल करें। - आवेदन की अंतिम तिथि:31/07/25	
	CBC 21252/11/0001/2526

AU

SMALL

FINANCE

Bank

FOR INDIA

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, घुलेश्वर मार्गन, अजमेर रोड, जयपुर-302001 (CIN:-I36911RJ1996PLC011381)

प्राइवेट हिंदी सेल द्वारा सफरफ्री नियम 8 (5) -डी के तहत सूचना

प्राइवेट हिंदी के माध्यम से बैंक द्वारा विक्रय की जाने वाली बंधक सम्पत्ति और उसके अरक्षित मूल्य व विवरण नीचे तालीका में दी जा रही है।

ऋण खाता संख्या / सहऋणी/बचकर्ता/ गारन्टर का नाम	सम्पत्ति का विवरण	प्रस्ताव मूल्य	ऋता द्वारा प्राप्त राशि
श्रीमती नीरू सुबीजा पत्नी हेमन्त सुबीजा (ऋणी), हेमन्त सुबीजा पुत्र प्रेम प्रकाश सुबीजा (सह-ऋणी) खाता संख्या : L9001060717041455	सम्पत्ति स्थित दुकान नं. 39 व 40 पवनी मंजिल (बिना छत) को भाणक भवन कॉम्प्लेक्स, गुमानपुरा, जिला - कोटा, राजस्थान, क्षेत्रफल 322.50 वर्ग फीट। सम्पत्ति की धारां सीमाएं: पूर्व: बावकली, पश्चिम : कौमन सीढियाँ, उत्तर: कौमन पैसेज 9'6" चौड़ा, दक्षिण: नरेंद्र सिंह जी हाड़ा का भवन।	रु. 20,01,000/- (रुपये बीस लाख एक हजार मात्र)	रु. 10,01,000/- (रुपये दस लाख एक हजार मात्र)

सूचित लेनदार/प्राधिकृत अधिकारी को उपरोक्त संपत्ति को ब्रय करने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। यदि ऋणी के पास उपरोक्त प्रस्ताव से अधिक राशि का कोई खरीददार है तो उसे नोटिस की तारीख से पंद्रह दिवस के भीतर अपनी प्रस्तावित राशि के 10% के डीडी/पे ऑर्डर के साथ भेजने का अनुरोध किया जाता है और शेष राशि को उसका प्रस्ताव स्वीकार करने की दिनांक से पंद्रह दिवस में जमा करना आवश्यक होगा। अन्यथा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उचित प्रस्ताव पर ही सम्पत्ति का बेचान किया जाएगा जो प्रस्तावित है।

स्थान : कोटा

दिनांक: 13-05-2025

प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति विशिष्ट श्रेणी रामगंजमंडी जिला कोटा (राज0)							दिनांक - 09/05/2025	
आवंटन सूचना - 01/2025								
कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी के मुख्य मण्डी प्रांगण रामगंजमंडी एवं गौण मण्डी प्रांगण चैबट में रिक्त निर्मित परिसरमियायों / भूखण्डों को 99 वर्षीय लीज पर द्वितीय एवं पश्चादावर्ती चरणों में अचल संपत्ति आवंटन नीति-2005 एवं समय-समय जारी संशोधनों के तहत आवंटन करने हेतु राजस्थान राज्य की समस्त मण्डी समितियों के अनुज्ञापत्रधारी व्यापारियों एवं नीति के तहत निर्दिष्ट प्रयोजन के इच्छुक व्यवसाइयों एवं कम से कम दो वित्तीय वर्ष पूर्व से मण्डी क्षेत्र में राजस्व अभिलेख में स्वयं के नाम से न्यूनतम एक बीघा भूमि धारक तथा मण्डी क्षेत्र में स्थाई रूप से निवास करने वाले कृषक जिनको पूर्व में मण्डी प्रांगण / गौण मण्डी प्रांगण में दुकान या भूखण्ड आवंटित नहीं हुए से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र पर आमंत्रित किये जाते हैं :-								
क्र.सं.	नाम मण्डी प्रांगण	रिक्त परिसरमियायों का विवरण	साईज वर्गफीट में	कुल रशियायें	अनुज्ञापत्रधारियों हेतु	कृषक	अनुज्ञापत्रधारी कृषक उत्पादक संगठन /कम्पनी	मण्डी क्षेत्र की अनुज्ञापत्रधारी तेल मील व अन्य कृषि प्रसंस्करण इकाई
1	मुख्य मण्डी प्रांगण रामगंजमंडी	भूखण्ड दुकान मय गोदाम प्लेटफार्म	25'5"x42'6"	4	सामान्य अनुसूचित जाति	—	1	1
					1 1			
2	गौण मण्डी प्रांगण चैबट	निर्मित दुकान प्लेटफार्म	16'x32'	3	सामान्य अनुसूचित जाति	1	—	—
					1 1			
3	गौण मण्डी प्रांगण चैबट	निर्मित ग्रामीण गोदाम	75 x 30 (250 MT)	1	1	—	—	—
4	मुख्य मण्डी प्रांगण रामजंगमंडी	निर्मित फुटकर दुकान	10'10"x32' 10'x20'	1	प्रयोजन :- निर्मित छोटी दुकान का आवंटन जैविक उत्पादन विक्रय आदि प्रयोजनों हेतु। आवश्यक - जैविक उत्पाद विक्रय-2			
इच्छुक आवेदक 200 रु. नगद जमा करवाकर किसी भी कार्य दिवस में कार्यो दिवस से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन पत्र आवश्यक पूर्ति कर वांछित दस्तावेज धरोहर राशि रु. 10000 /- के साथ दिनांक 13.06.2025 को सांय 4:00 बजे तक कार्यालय में जमा करा सकते हैं। धरोहर राशि का डी.डी./ बैंक कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी के नाम से देय होगा। नियत समय पश्चात कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं होगा। आवंटन हेतु आरक्षित दर आवंटन बैठक तिथि को प्रामांभी एल.सी. दर का आवंटन नीति अनुसार निर्धारित प्रतियोग हेतु। भूखण्डों की संख्या में कमी/ वृद्धि की जा सकती है। आवंटन सम्बन्धित अन्य जानकारी / शर्तों विभागीय वेबसाईट agriculture.rajabsthan.gov.in/dam एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।								
डा.स.सं.कोटा/15/21/219					प्रत्यक्ष	सहोप		

प्रदेश सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के पर्याप्त अवसर : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में

सुबोध शिक्षा समिति मामले में दूसरी बार पेश एफआर अस्वीकार

जयपुर। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने सुबोध शिक्षा समिति से जुड़े एसीबी केस में दूसरी बार पेश एफआर को अस्वीकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में परिवादी की ओर से उठाए बिंदुओं को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। पीठासीन अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने यह आदेश परिवादी लक्ष्मीकांत की ओर से पेश प्रार्थना पत्र पर दिए।

मामले के अनुसार भवानी सहाय, पुलिस निरीक्षक द्वारा प्रारंभिक जांच कर सत्यापन रिपोर्ट पेश की थी। जिसमें कहा गया कि सुबोध शिक्षा समिति के अध्यक्ष नवरतन कोठारी, प्रोफेसर अश्वनी कुमार, एनके लोहिया और प्राचार्य केबी शर्मा ने मिलीभगत कर पदीय कर्तव्यों का दुरुपयोग किया।

इन्होंने चयन समिति के मिनिट्स में कांट छोट कर केबी शर्मा को एएसएस सुबोध पीजी कॉलेज के प्राचार्य पद पर नियम विरुद्ध चयनित किया। उस समय केबी शर्मा भौतिक शास्त्र के व्याख्याता पद पर कार्यरत थे। प्राचार्य पद पर चयनित होने के बाद भी भौतिक शास्त्र के व्याख्याता पद का वेतन के रूप में सरकार से 22.64 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त कर आर्थिक हानि पहुंचाई। मामले में 12 अक्टूबर, 2017 को अदालत ने तथ्यों की भूल के आधार पर एफआर पेश की गई। जिसे कोर्ट ने अस्वीकार कर अग्रिम जांच के आदेश दिए। वहीं अब फिर से एसीबी ने एफआर पेश कर दी। परिवादी की ओर से इस एफआर का विरोध करते हुए कहा गया कि एसीबी ने कई बिंदुओं पर जांच नहीं की है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एसीबी को जांच के आदेश दिए हैं।

सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों की भर्ती की क्या योजना है : हाईकोर्ट

जयपुर।हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आखिरी अवसर देते हुए पूछा है कि प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों के पदों के सुजन और उन पर भर्तियों होने के संबंध में उनकी क्या कार्य योजना है। वहीं अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि वह आगामी सुनवाई पर उनके निर्देशों की पालना करना सुनिश्चित करे। सीएएमएम श्रीवास्तव व जरिस्टस मुकेश राजपुरोहित को खंडपीठ ने यह आदेश विमल शर्मा की जर्नलिस्ट याचिका पर दिए। खंडपीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उन्हें चित्रकला व संगीत कला से वंचित नहीं किया जा सकता, वह भी तब जबकि आर्टीट्स कानून बन चुका है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से आदेश की पालना के लिए समय दिए जाने का आग्रह किया। इस पर अदालत ने कहा कि पांच महीने से ज्यादा समय हो गया है और राज्य सरकार का प्लान आ जाना चाहिए था। ऐसे में अब राज्य सरकार को अदालत के आदेशों की पालना के लिए अंतिम मौका दिया जा रहा है। पिछली सुनवाई पर भी अदालत ने कहा था कि जब कला विषय अनिवार्य विषय



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को उनके निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांशु पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है। शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरत मुख्य संचालक एवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मा योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हेल्थ रिकॉर्ड के कार्य

में गति लाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाड़ी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को श्री अन्न के मार्केटिंग,

उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में

- बजट 2025-26 की समीक्षा बैठक में बोले मुख्यमंत्री, “प्रत्येक बजटीय घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी बनाएं टाइमलाइन”
- ‘वन कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती शीघ्र’

मुख्यमंत्री ने संकुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्कैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया की गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्वित की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांशु पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिवालय कैटीन का टेंडर देने पर अंतरिम रोक

जयपुर। हाईकोर्ट ने सचिवालय कर्मचारी संघ के जरिए संचालित सचिवालय कैटीन का बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए नई फर्म को देने वाले टेंडर पर आगामी सुनवाई तक अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं मामले में मुख्य सचिव, कार्मिक सचिव व उप सचिव से 30 मई तक जवाब देने के लिए कहा है।

भाजपा प्रदेशभर में निकालेगी तिरंगा यात्रा : अरूण चतुर्वेदी

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भाजपा की ओर से पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकियों की कमर तोड़ने का काम किया है। ऐसे में भारतीय सेना के मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से तिरंगा यात्रा

- ‘जयपुर में 15 मई को अल्वर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा’

निकालने का निर्णय किया है। तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, यह देश का, समाज का हमारी सेना के लिए निकाला जा रहा कार्यक्रम है। इसमें आमजन की भागीदारी रहेगी। तिरंगा यात्रा संभाग स्तर के साथ जिला और फिर विधानसभा क्षेत्रवार भी निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में

पत्रकारिता में अन्वेषण मूल्यों का अधिकाधिक समावेश हो : बागड़े



विश्व संवाद केन्द्र फाउण्डेशन की ओर से आयोजित नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि पत्रकारिता में खोज और अन्वेषण मूल्यों का विकास जरूरी है। उन्होंने इजराइल के अपने यात्रा संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वहां पत्रकारिता में शोध को पहले पत्र पर प्रकाशित किया जाता है। पत्रकारिता में यह दृष्टि अपनाई जाए। उन्होंने भारतीय शोध का अधिकाधिक पेटेंट करवाने का भी आव्हान किया।

राज्यपाल मंगलवार को विश्व संवाद केन्द्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित नारद जयंती व पत्रकार सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौखिक मीडिया की प्रासंगिकता कई बार दूसरे मीडिया से अधिक होती है। महर्षि नारद इसी मीडिया से जुड़े थे। उन्होंने पीओके के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि यह उस समय की ऐतिहासिक भूल थी। उन्होंने कहा कि पीओके निर्माण का पापा लार्ड माउंटेन बेटे का था।

उन्होंने कहा कि भारत में बाहरी आक्रांता इसलिए हावी रहे कि हमारे यहां आंतरिक एकता का अभाव था। एक राजा दूसरे राजा की मदद नहीं करता था। उन्होंने कहा कि भारत बदल रहा है।

उन्होंने राष्ट्र भक्ति, सावरकर और भारत पाकिस्तान सम्बन्धों की चर्चा करते हुए कहा कि देश प्रेम का जज्बा बदले भारत की सुनहरी तस्वीर है। राज्यपाल ने महर्षि अरविंद की चर्चा करते हुए कहा कि पंडित नेहरू ने उनके दर्शन की विशेष रूप से “डिस्कवरी ऑफ इंडिया” में चर्चा की है। अरविंद ने बच्चों की बौद्धिक क्षमता कैसे बढ़ाई, इसी पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि लार्ड मैकाले द्वारा भारत को मानसिक रूप से गुलाम बनाए रखने के लिए अंग्रेजी शिक्षा का प्रसार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति इसी आलोक में लागू की है कि बच्चे भारतीय ज्ञान की परंपरा से जुड़े और उनकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो।

राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति का परिणाम अभी नहीं आयेगा, दस बीस सालों में दिखेगा। आने वाले समय में देश की बौद्धिक और नैतिक प्रगति होगी। उन्होंने कहा कि याद रखें जो देश अपना इतिहास भूलते हैं, वे राष्ट्र का भूगोल भी भूलने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि 1150 में भास्कराचार्य ने लीलावती नाम का ग्रन्थ

लिखकर बता दिया था कि गुरुत्वाकर्षण के कारण पृथ्वी और आकाश में परस्पर आकर्षण रहता है। इसी शोध को न्यूटन के नाम से हम जानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पर विश्वास के लिए अपने आत्म में झांका पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि नारद जयंती पत्रकारिता के मूल्यों से जुड़ी है। नारद जी तीनों लोकों में हर प्रकार की सूचनाओं का आदान प्रदान मौखिक करते थे। यही तब की पत्रकारिता थी। इससे पहले उन्होंने विभिन्न वर्गों में पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि जो पत्रकार सम्मानित हुए हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय हैं।

इससे पहले मुख्य वक्ता पाञ्चजन्य के संपादक हितेश शंकर ने कहा ऑपरेशन सिंदूर में भारत की नैतिकता की विजय हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध भारत की बहुत कुशल और प्रभावी रणनीति की विश्वभर में सराहना हुई है। उन्होंने इस दौरान भारत और पाकिस्तान मीडिया में पत्रकारिता की रही दृष्टि की भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डा. हेमंत सेठिया, चैन सिंह राजपुरोहित ने भी विचार रखे।



तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

राजधानी जयपुर में 15 मई को तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। जयपुर में गुरुवार को सुबह 11 बजे अल्वर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा को शुरू किया जाएगा। यात्रा न्यू गेट, बापू बाजार, सांगनेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ तक जाएगी। तिरंगा यात्रा का बड़ी चौपड़ पर समापन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी और युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची को समिति का प्रदेश समन्वयक बनाया गया है। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के प्रदेश समन्वयक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि जयपुर के बाद तिरंगा यात्रा प्रदेशभर में निकाली जाएगी। इसके लिए संभाग अनुसार समन्वयक बनाए गए हैं। इससे जयपुर में रामलाल शर्मा, विमल अग्रवाल, रघुनाथ नरेडी, प्रेम सिंह बनवासा, उदयपुर संभाग में पंकेश

पोरवाल, दिप्ती माहेश्वरी, पंकज बोराणा, जोधपुर में महेंद्र कुमातव, राजेंद्र बोराणा, नारायण पुरोहित, भरतपुर संभाग में भानुप्रताप सिंह, डीडी कुमावत, भगवान दास शर्मा, बीकानेर संभाग में विजेन्द्र पुनिया, विजय आचार्य, महेश व्यास, कोटा संभाग में अनुसूईया गोस्वामी, हेमंत विजयवर्गीय, नरेंद्र नागर और अजमेर में मोतीलाल मीणा, पुखराज पहाडिया और नीरज जैन को संभाग समन्वयक बनाया गया है।

पतंजलि संस्थान ने आई.सी.ए.आर. को भेंट की मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन

हरिद्वार। पतंजलि संस्थान द्वारा आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान को मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन ‘धरती का डॉक्टर’ उपहार स्वरूप भेंट की गई। इस मशीन के प्रयोग से न केवल किसानों को अपनी कृषि भूमि की मिट्टी की जांच करने में सहायता मिलेगी, अपितु साथ ही जैविक एवं रासायनिक खेती हेतु आवश्यक उर्वरक प्रयोग के लिए सुझाव भी प्राप्त किए जा सकेंगे।

इस अवसर पर भरभूआ एग्री साइंस के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि मृदा परीक्षण मशीन ‘धरती का डॉक्टर’ को पहले ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रमाणन-पत्र प्रदान किया जा चुका है। इस मशीन के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य के 12 आवश्यक मानकों का परीक्षण किया जाता है जिसमें मुख्य पोषक तत्व उपरकृष्ण नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटेश एवं गौण पोषक तत्व बोरेन, आयरन, कैल्शियम, कॉपर एवं मैंगनीज सम्मिलित हैं। इस मशीन को भारत सरकार द्वारा पेटेंट तथा-सर्टिफिकेट प्राप्त है। उन्होंने बताया कि इस मशीन को पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा वर्षों के व्यापक शोध के बाद



पतंजलि संस्थान द्वारा आचार्य बालकृष्ण के मार्गदर्शन में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान को मृदा परीक्षण की ऑटोमेटेड मशीन ‘धरती का डॉक्टर’ उपहार स्वरूप भेंट की गई।

विकासित किया गया है जो किसानों के लिए वरदान है। आचार्य जी ने बताया कि इस मशीन के द्वारा सरल विधियों से फसलानुसार उर्वरक संस्तुतियों रासायनिक, जैविक एवं मिश्रित तीनों प्रकार से प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेंद्र कुमार यादव ने कहा कि धरती का डॉक्टर

ऐसी पहली मशीन है जिसके द्वारा सभी 12 पैरामीटरों की सटीक जांच की जा सकती है। इस अवसर पर पतंजलि संस्थान के डॉ. अशोक मेहता ने उपस्थित सभी वैज्ञानिकों का ध्यान पतंजलि संस्थान के द्वारा किसानों के लिए किये जाने वाले निरंतर प्रयासों की तरफ आकर्षित किया।

माह में चार दिन ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम करे अधिकारी : दिलावर

जयपुर। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को शिक्षा विभाग के अंतर्गत संस्कृत विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में गत वर्ष अक्टूबर माह में आयोजित बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की गई। शिक्षामंत्री ने सभी अधिकारियों को प्रत्येक माह कम से कम 4 दिन ग्राम पंचायतों में रात्रि विश्राम करने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री ने उच्चाधिकारियों को प्रत्येक 15 दिन में फील्ड में जाकर फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए। उन्होंने राजईज राजस्थान के दौरान हुए शिक्षा विभाग सम्बंधी एमओयू की प्रगति की समीक्षा की और इनकी तत्परता से क्रियान्वित के निर्देश दिए।

शिक्षामंत्री ने संस्कृत शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर देते हुए राजकीय संस्कृत संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, प्राचीन ग्रंथों के संरक्षण एवं प्रसार-प्रसार और विद्यार्थियों में संस्कृत के प्रति रुचि जागृत करने के लिए ठोस एवं सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजकीय संस्कृत संस्थानों में नामांकन

वृद्धि की दिशा में सार्थक प्रयास करने और इसके लिए रूट मैप तैयार करने तथा राजकीय संस्थानों की मान्यता के नियमों में शिथिलता लाने का सुझाव दिया। आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देते हुए खेल मैदान के विकास, प्रयोगशालाओं में सुविधा सुधार, भवन में स्वच्छता व बालक और बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक शौचालय पर विशेष जोर दिया। शिक्षामंत्री ने विभाग के लंबित मामलों पर भी विस्तार से चर्चा कर सभी तरह की शिकायतों का 10 दिन के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए। शिक्षामंत्री ने पर्यावरण सुरक्षा के तहत विभाग को चार करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य सौंपा है। उन्होंने कहा कि प्रति विद्यार्थी 300 पौधे प्रति दिन लगाना कार्मिकों को 15 पौधे प्रतिदिन लगाना अनिवार्य होगा। इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने और स्थानीय एनजीओ के सहयोग से कार्य को गति देने के निर्देश दिए। इस कार्य की क्रियान्वित के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

पाली में फैक्टरी के कमरे में फंदे पर युवक का शव लटका मिला

पाकिस्तान की जेल में 28 माह कैद काटकर एक साल पहले ही वापस आया था युवक गेमराराम

पाली, (नि.सं.)। पाकिस्तान की जेल में 28 महीने कैद काटकर आए एक युवक का शव पाली की एक फैक्टरी में फंदे पर झूलता मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने बताया कि बाड़मेर जिले के बिजराडा थाना क्षेत्र के कुम्हारों का टीबा निवासी गेमराराम (24) पुत्र जामाराम मेघवाल जो करीब एक साल से जाइन कब्जे की एक लोहा फैक्टरी में कोयले का काम करता था। वह अपने भाई और रिश्ते में मामा के साथ एक कमरे रहता था। सोमवार दोपहर की उसका शव फैक्टरी के एक सूने कमरे में फंदे पर झूलता हुआ मिला। घटना की जानकारी जब उसके भाई और मामा को लगी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पाली के बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।



पुलिस ने अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम की कार्रवाई की।

मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव को एम्बुलेंस से बाड़मेर के लिए रवाना हो गए। पुलिस पुरे मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार गेमराराम

भारत-पाक बॉर्डर से सटे गांव कुम्हारों का टीबा का रहने वाला है। गेमराराम का एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 4 नवंबर 2020 की रात वह गर्लफ्रेंड से मिलने उसके घर गया था। तभी प्रेमिका के परिजनों ने उसे देख लिया। यह देखकर गेमराराम घरवा

गया। डर के मोरे भागते हुए भारत-पाक की सरहद पर बनी तारबंदी पार कर पाकिस्तान चला गया था। जहां पाक रेंजर्स ने उसे अरेस्ट कर लिया था। करीब 28 महीने बाद पाक जेल से यातना झेलने के बाद 14 फरवरी 2023 को गेमराराम को पाकिस्तान

■ प्रेम प्रसंग मामले में परिजनों के डर से भागते हुए सरहद पार कर पाकिस्तान चला गया था युवक

से भारत वापसी हुई थी। मृतक के गांव से भारत-पाकिस्तान सीमा दो किलोमीटर से ज्यादा दूर नहीं है। गेमराराम के खिलाफ बाड़मेर के बीजराड़ थाने में जनवरी 2021 में पॉक्सो एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। भारत लौटने के बादल गेमरा से भारत में संयुक्त जांच एजेंसियों ने पूछताछ की। उसके बाद उसे बीजराड़ थाना पुलिस को सौंप दिया। बीजराड़ थाना पुलिस ने उसे पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार भी किया था। जेल से रिहा होने के बाद वह पहले गुजरात काम करने गया लेकिन वहां मन नहीं लगा तो एक महीने बाद ही वापस आ गया और करीब एक साल पहले पाली के जाइन के निकट स्थित लोहे की फैक्टरी में मजदूरी पर लगा था।

प्रभारी मंत्री के. के. विश्नोई ने जालोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया

जालोर, (कासं)। जिले के प्रभारी मंत्री के. के. विश्नोई ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे जालोर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया। प्रभारी मंत्री ने सरवाना, खेजडियाली व वेडिया गांवों का दौरा किया तथा ग्रामीणों से मुलाकात कर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सीमा पर हुए तनावपूर्ण माहौल का देश के जांबाज सैनिकों द्वारा पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया

■ भारतीय सेना ने आतंकियों को मुंह तोड़ जवाब दिया : के.के. विश्नोई

तथा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे मिशन की मॉनिटरिंग की जा रही है एवं देश के तीनों सेनाओं द्वारा देश हित में पाकिस्तान के आतंकियों का सफाया किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बॉर्डर के इलाकों में होने वाले असामान्य गतिविधियों पर नजर बनाए रखें एवं किसी भी प्रकार का संदेह होने पर निकटतम पुलिस थाना या प्रशासन को सूचना दें। प्रभारी मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को

सीमावर्ती क्षेत्रों में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद लुंबाराम चौधरी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नाहरसिंह जोधा ने कहा कि वर्तमान में देश की सीमा पर शांति है, लेकिन अगर पाकिस्तान हमला करेगा, तो उसको उसी की भाषा

में जवाब दिया जाएगा।

जसराम राजपुरोहित ने कहा कि सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोग अपने आसपास रहने वाले बाहरी लोगों का स्थानीय थाने में वेरिफिकेशन करवाएं एवं किसी भी व्यक्ति पर संदेह हो तो उसकी सूचना पुलिस को दें। पूर्व सांसद देवजी पटेल ने कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में है एवं देश की सेना आधुनिक संसाधन से युक्त है। मेड इन इंडिया के हथियारों को पूरे विश्व ने

देखा है। भारत किसी भी मोर्चे पर पीछे हटने वाला नहीं। पाकिस्तान द्वारा ड्रोन से भारत पर हमला करने की कोशिश की लेकिन सभी ड्रोन को भारत सेना द्वारा नष्ट कर दिया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे, जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सांचौर दौलतराम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लगी



मौके पर पहुंची दमकल की मदद से आग पर काबू पाया।

भरतपुर, (निस्ं)। भरतपुर कोतवाली थाना इलाके के मछली मोहल्ला में एक कबाड़ के गोदाम में आग लग गई। गोदाम मालिक के मुताबिक उसका करीब 50 हजार का नुकसान हुआ है। गोदाम के पास एक ट्रॉसफार्मर था, जिसमें से चिंगारी निकलकर गोदाम में जा गिरी, जिसके बाद गोदाम में आग लग गई। आग लगने के कारण आसपास के इलाके में हड़कंध मच गया।

कबाड़ गोदाम के मालिक बंगाली ने बताया कि उसका गोदाम मछली मोहल्ला के अंदर स्थित स्थित है। दुकान के पास एक ट्रॉसफार्मर है। ट्रॉसफार्मर से जा रहे बिजली के तार उसके गोदाम के ऊपर से जाते है। बिजली के तारों पर सुबह के समय कुछ बंदर कूद रहे थे। जिसके कारण बिजली के तारों से चिंगारी निकल रही थी। बिजली के तारों

■ बिजली के तारों से निकली चिंगारी गोदाम में गिरने से हादसा हुआ

से निकली चिंगारी अचानक गोदाम में जा गिरी, जिससे गोदाम में रखी प्लास्टिक ने आग पकड़ ली। धीरे-धीरे पूरे गोदाम में रखे सामान ने आग पकड़ ली। गोदाम से धुंआ निकलने लगा। धुंआ निकलता देख आसपास के लोग मौके पर इकट्ठे हो गए, जिसके बाद गोदाम के मालिक को घटना की सूचना दी गई। गोदाम का मालिक मौके पर पहुंचा और, दमकल विभाग को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया जा सका।

भारत-पाक तनाव के कारण स्थगित एग्जाम अब स्कूल स्तर पर होंगे

बीकानेर, (निस्ं)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते सीमावर्ती जिलों में स्थगित एग्जाम अब स्कूल स्तर पर ही पेपर बनाकर लेने होंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने इस संबंध में मंगलवार सुबह आदेश जारी किया है, जिस जिले में स्कूल जिस दिन शुरू होंगे, उसके ठीक दो दिन बाद एग्जाम होना है। क्लास 9 और 11 के चार पेपर अब तक शेष हैं।

निदेशक की ओर से जारी आदेश अनुसार स्थगित परीक्षाओं से संबंधित विषय के प्रश्न पत्रों को मॉडल पेपर के

रूप में वितरित किया जाएगा। इसके बाद स्कूल अपने स्तर पर पेपर तैयार करवाकर एग्जाम लेगा। जिन जिलों में स्कूल मंगलवार से शुरू हो गए हैं, वहां गुरुवार से वंचित रहे विषयों के एग्जाम फिर से होंगे। वहीं जिन जिलों में स्कूल बुधवार से शुरू होंगे, वहां शुक्रवार से एग्जाम होंगे। ये पेपर दो पारी में लिए जाने हैं। स्कूल अपनी सुविधा के अनुसार ही पेपर करवा सकता है।

पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर में स्कूल शुरू हो चुके हैं। वहीं जैसलमेर में स्कूल

अब तक शुरू नहीं हुए हैं। ऐसे में जैसलमेर के अलावा सभी जिलों में गुरुवार से एग्जाम फिर से शुरू होंगे और जैसलमेर में शुक्रवार से एग्जाम पुनः होंगे। दरअसल ये पहला मौका है जब 9 और 11 के पेपर पूरे राज्य में एक समान हो रहे थे। एक ही पेपर से राज्य के सभी जिलों में परीक्षा शुरू तो हुई लेकिन भारत-पाक तनाव के कारण ये सिलसिला सीमावर्ती जिलों में टूट गया।

अब फिर से पेपर प्रकाशित करवाकर वितरण करने के बजाय स्कूल स्तर पर ही एग्जाम का निर्णय किया गया है।

महिला अध्यापिका के दुर्व्यवहार से आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया

निवाड़ी, (निस्ं)। गांव कैरोद के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में स्टाफ के आपसी विवाद एवं कार्यरत एक महिला अध्यापिका द्वारा बच्चों से दुर्व्यवहार व अपमानित करने से आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को विद्यालय के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया और कार्यवाही करने की मांग की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवजीलाल खंनार ने बताया कि विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका कमलादेवी जाट द्वारा विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं के साथ जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया जाता है। पूर्व में शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया था। इसके बाद शिक्षा विभाग ने जांच कमेटी गठित की थी। जांच कमेटी द्वारा जांच की गई थी। इसी प्रकरण को लेकर मंगलवार को कैरोद के समस्त ग्रामीणों ने विद्यालय के मेन गेट पर ताला लगा दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि अध्यापिका कमला जाट विद्यालय के स्टाफ व बच्चों सहित ग्रामीणों से भी अभद्रता



गांव कैरोद के विद्यालय के गेट पर ग्रामीणों ने ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

करती है। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर मुख्य ब्लॉक शिक्षाधिकारी कार्यालय से आरपी रामकिशन बैरवा व प्रशासनिक अधिकारी प्रहलाद मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से काफी देर तक समझाइश की। ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि कार्यरत महिला बच्चों को जातिसूचक

सूने मकान का ताला तोड़ नगदी व जेवर चुराये

किशनगढ़ बास, (निस्ं)। नगर पालिका वार्ड नौ के रैणी मोहल्ला स्थित कंपांडर दिनेश सोनी के मकान से अज्ञात चोर दरवाजा व खिड़की तोड़कर घर के अंदर रखे चांदी के जेवर व करीब एक लाख रुपए नगद चोरी कर ले गए। पिछले तीन दिन से परिवार घूमने के लिए बाहर गया हुआ था। बंद मकान में

■ पिछले तीन दिन से परिवार घूमने के लिए बाहर गया हुआ था



पुलिस ने छत पर मौका देख मकान मालिक से जानकारी ली।

किशनगढ़ बास राजकीय सामुदायिक अस्पताल में सेवाएं दे रहे कंपांडर दिनेश सोनी ने बताया कि वह तीन-चार दिनों से पत्नी व बच्चों के साथ घूमने के लिए गया हुआ था। मकान पर कोई नहीं था। मंगलवार को वापस घर पहुंचे तो मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। ताला खोलकर मकान के अंदर प्रवेश किया तो पीछे का दरवाजा खुला था। कमरे के दरवाजे

खुले पड़े थे, सामान फैला हुआ मिला। चोरी की खबर सुनकर पड़ोसी व समाज के लोग घर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर मौका स्थिति को देखा और परिवार से जानकारी ली। कंपांडर दिनेश सोनी ने पुलिस को बताया कि करीब एक किलो चांदी के जेवर व लगभग एक लाख रुपए नगद चोरी हुए हैं। पुलिस ने आसपास केमरे देखने

चाहे पर कहीं पर भी कैमरा लगा हुआ नहीं मिला। दिनेश सोनी ने बताया कि बाहर जाने से पहले वह सोने के जेवर सुरक्षित स्थान पर रख गए थे जो चोरी होने से बच गए। चोरी की खबर पता लगने पर सरपंच जनेश भूटानी, संदीप वलेचा, हीरू हरवानी, हरीश सोनी, सहित पड़ोसी एवं समाज के लोग पहुंचे और पुलिस से अज्ञात चोरों को पकड़ने की मांग की।

अवैध बांग्लादेशी दंपती अजमेर से डिटैन, अब तक 31 पकड़े

स्पेशल टास्क फोर्स का अभियान जारी, संदिग्ध नेटवर्क की हो रही जांच

अजमेर, (कासं)। अजमेर में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी दंपती को डिटैन किया है। पुलिस की इस कार्रवाई में अब तक 31 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। जिनमें से चार को गंज थाना पुलिस टीम की सहायता से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण राम के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने रबीउल इस्लाम और उसकी पत्नी हलीमा खातून को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों बांग्लादेश के मदारपुरा पोस्ट गोदावरी जिला राजशाही के निवासी हैं। लगभग दस साल पहले दोनों अवैध रूप से भारत में घुसे थे और अलग-अलग शहरों में पहचान छुपाकर रहने के बाद अब



स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी दंपती को डिटैन किया।

अजमेर में खानाबदोश के रूप में रह रहे थे। पुलिस इन दोनों के नेटवर्क, संपर्क सूत्रों और यहां किसके माध्यम से पहुंचे, इसकी गहराई से जांच कर रही है। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में

बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिये भारत में प्रवेश कर बसने की घटनाएं सामने आई हैं जिससे सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं।

बारहवीं सीबीएसई एग्जाम का पणाम जारी, अभिभावकों में खुशी

सीबीएसई 12वीं में बीकानेर में एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की बेटी देबांशी के 499 अंक आये

बीकानेर, (निस्ं)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 10वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया है। अच्छे अंक लाने वाले बच्चों के अभिभावकों के चेहरों पर भी खुशी साफ दिखाई दी। जबकि अच्छे रिजल्ट देने वाले स्कूल संचालकों ने भी अपने स्टूडेंट्स का मुंह मीठा करवाया। जैन पब्लिक स्कूल की छात्रा युद्धिका ने बारहवीं आर्ट्स में 98.8 परसेंट मार्क्स प्राप्त किए हैं। उसने पेंटिंग और आर्टी में सौ में सौ मार्क्स लिए, जबकि इंग्लिश में 99 मार्क्स प्राप्त किए। बीकानेर में एडीजे लोकेंद्र सिंह शेखावत की बेटी देबांशी

शेखावत ने प्रदेशभर में बारहवीं सीबीएसई एग्जाम में टॉपर लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। देबांशी के 499 अंक आये।

आर्ट्स स्टूडेंट देबांशी भविष्य में पिता की तरह विधि क्षेत्र में ही अपना भविष्य देखती है। बीकानेर के जैन पब्लिक स्कूल की युक्ति बजाज ने दो विषयों पॉलिटेकल साइंस और जीओग्राफी में सौ में सौ अंक प्राप्त किए हैं। उसने 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। युक्ति के पांच सौ में से 495 मार्क्स हैं। बीकानेर की भय्या राजवी ने बारहवीं आर्ट्स में दो विषयों में सौ में

से सौ अंक प्राप्त किए। उसके पॉलिटेकल साइंस और हिंदुस्तानी म्यूजिक में ये मार्क्स रहे। हिस्ट्री में सौ में से 99 अंक रहे। वो महारानी किशोरी देवी सीनियर सैकेंडरी स्कूल की स्टूडेंट है। बीकानेर के जैन पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाली तुपति मिश्रा ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

तुपति ने पॉलिटेकल साइंस, हिस्ट्री और जीओग्राफी विषय में बारहवीं का एग्जाम दिया था। बीकानेर के आरएसवी स्कूल के स्टूडेंट मोहम्मद अयान ने 98 परसेंट अंक प्राप्त किए हैं। अयान के जीओग्राफी में सौ में से सौ अंक है।

■ 'विद्यालय में कार्यरत अध्यापिका कमलादेवी जाट द्वारा विद्यालय स्टाफ व छात्र-छात्राओं के साथ जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया जाता है'

बताया कि पूर्व में भी अध्यापिका कमला जाट के खिलाफ जांच चल रही है। जांच कमेटी द्वारा अभी तक मेरे कार्यालय में जांच प्रस्तुत नहीं की गई है। मामला सही पाए जाने पर अध्यापिका के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी को भी ग्रामीणों द्वारा एक शिकायती पत्र सौंपकर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की है। इस दौरान मुकेश बैरवा, धर्मचंद बैरवा, शिव प्रसाद, मुकेश, रामप्रसाद जाट, मीठालाल, प्रभुलाल, मोहनलाल जाट, प्रेम शंकर बैरवा, जितेंद्र बैरवा, राजकुमार, बंसीलाल, रामपाल व जीतराम सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

रेप पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये एसएमएस स्टेडियम में बम धमाके की धमकी दी

7 दिन में तीसरी बार मिला बम का ईमेल, लिखा- हैदराबाद के होटल में एक लड़की से रेप हुआ, इसलिए मेल कर रहे

जयपुर, 13 मई। सवाई मानसिंह स्टेडियम को 7 दिन में तीसरी बार बम से उड़ने की धमकी दी गई है। इस बार धमकी के साथ एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की गुहार की है। इसके बाद पुलिस ने स्टेडियम में सर्च ऑपरेशन शुरू कर इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में मंगलवार दोपहर 2 बजे एक बार फिर धमकी भरा ईमेल आया। इसमें लिखा- हम साल 2003 में हैदराबाद के लेमन टी होटल में एक लड़की के साथ रेप करने वाले के बारे में पुलिस का ध्यान आकर्षित करने के लिए स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी पर मेल कर रहे हैं। मेल में लिखा कि दो लोगों ने पीड़िता से देहेज में एक करोड़ रुपए मांगे।

मैं राजस्थान सरकार से विनती करता हूं कि रेप के आरोपी को गिरफ्तार करे।इससे पहले 8 मई और 12 मई को भी एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। घंटों सर्च के बाद स्टेडियम में कुछ भी नहीं मिला था। पुलिस ने करीब तीन घंटे तक एसएमएस स्टेडियम में सर्च अभियान चलाया। सर्च के दौरान वहां पर मौजूद खिलाड़ियों सहित अन्य लोगों को बाहर निकाल दिया गया।



राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि मंगलवार को तीसरी बार जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी मिली है। इसमें स्टेडियम को बम से उड़ने के साथ ही एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की बात

भी कही गई है। ईमेल को लेकर हमने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस ईमेल पर भेजे गए नंबरों के साथ ही मेल भेजने वाले व्यक्ति के आधार पर इस मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही स्टेडियम में भी सर्च किया गया, लेकिन कुछ भी नहीं मिला।

एसएमएस स्टेडियम में नए शेड्यूल अनुसार पहला मैच 18 को

जयपुर, 13 मई। भारत और पाकिस्तान बॉर्डर पर फिलहाल शांति का माहौल बना है। दोनों देशों के बीच सीजफायर पर सहमति बनी है, लेकिन भारत के क्रिकेट मैदानों को बम से उड़ाने की धमकियां रुकने का नाम नहीं ले रही है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को 6 दिन के भीतर तीसरी बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता का बदला लेने के इरादे से ये धमकी दी गई है। बताते चलें कि आईपीएल 2025 के नए शेड्यूल अनुसार अभी यहां 3 मैच और खेले जाने बाकी हैं। पहले भी जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। ये दोनों धमकियां 8 मई और 12 मई को आई थीं। धमकी के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है और स्टेडियम को फिर से खंगाला जा रहा है। 12 मई को आईपीएल 2025 का नया शेड्यूल जारी किया गया था, बचे हुए 17 मैचों में से तीन जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में ही खेले जाने हैं।

जब 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को पहली बार धमकी मिली थी, तभी से स्टेडियम के आसपास के इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई और साथ ही तलाशी अभियान पिछले कई दिनों से जारी है। बताया जा रहा है कि ईमेल



के जरिए मिली धमकी के बाद साइबर क्राइम टीम सक्रिय हो गई है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में नए शेड्यूल अनुसार पहला मैच 18 मई को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। इसके अलावा 24 मई को पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स और 26 मई को यहीं पर पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस का मैच खेला जाएगा।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर का दावा

रोहित-विराट नहीं खेलेंगे 2027 वनडे वर्ल्ड कप

नई दिल्ली, 13 मई। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। दोनों ही खिलाड़ी पहले ही टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले चुके हैं। दोनों अब बस वनडे क्रिकेट खेलते दिखेंगे। दो साल बाद 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेला जाना है। माना जा रहा है कि दोनों वर्ल्ड कप खेलने के बाद रिटायरमेंट लेंगे।

इस दौरान पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि दोनों ही वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेंगे।रोहित ने 7 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया था। वहीं कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा है। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था।रोहित और कोहली अब बस वनडे क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। दोनों ही खिलाड़ियों का लक्ष्य



होगा कि 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को जीतकर क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा की जाए।

ऐसे में गावस्कर ने वर्ल्ड कप को मद्देनजर रखते हुए कहा है कि वो दोनों

द. अफ्रीका ने की डब्ल्यूटीसी फाइनलकेलिए टीमकीघोषणा

खिलाड़ी इस टूर्नामेंट का भाग नहीं होंगे।गावस्कर ने कोहली और रोहित की तारीफी करते हुए कहा कि दोनों ही खिलाड़ी इस फॉर्मेट के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन सवाल ये है कि क्या दोनों खिलाड़ी जिस तरह का खेल पिछले तीन साल से खेलते हुए आ रहे हैं, क्या वो आगे भी इसी तरह खेल पाएंगे?

गावस्कर ने आगे कहा कि, वे खेल के इस फॉर्मेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रहे हैं, फिर से सिलेक्शन कमिटी शायद 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर नजर रखी रहेगी, वे देखेंगे क्या वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप को टीम में शामिल हो पाएंगे? क्या वे जिस तरह से योगदान देते आ रहे हैं, उस तरह योगदान दे पाएंगे, यही सिलेक्शन कमिटी की सोच होगी। अगर सिलेक्शन कमिटी सोचती है हां वे सक्षम हैं तो दोनों ही वहां होंगे।

केपटाउन, 13 मई। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को लॉड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। दक्षिण अफ्रीकी चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के लिए टीम की कमान आज टेम्बा बुवुमा को सौंपी। टोनी डी जॉन्गी, रयान रिक्लेटन और एडन मार्क्रम शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी विकल्प हैं, जबकि उभरते सितारे ट्रिस्टन स्टम्स, डेविड बेर्दिघम और बावुमा मध्य क्रम की कमान संभालेंगे। काइल बेरिन स्टंप के पीछे अपना जौहर बिखेरेंगे। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मुल्डर और जेनसन के साथ कैप्टेनो रबाडा, एंगीडी, डैन पैटर्नसन और कॉर्बिन बोश के तेज गेंदबाजी की कमान होगी। केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी को स्पिन गेंदबाज के रूप में टीम में जगह दी।

दिग्गज शतरंज खिलाड़ी कास्पारोव का बयान, डी गुकेश से कालर्सन को बताया बेहतर



नई दिल्ली, 13 मई। रूस के महान चेत खिलाड़ी गैरी कास्पारोव का मानना है कि डी गुकेश भले ही वर्ल्ड चैंपियन हैं, लेकिन नावें के मैग्नस कार्लसन हर लिहाज से उनसे बेहतर हैं। कास्पारोव का मानना है कि गुकेश

उनकी तुलना में अलग स्थिति में हैं क्योंकि नावें के कार्लसन इस दौर में मौजूद हैं और डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 14 गेमों में

हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप का खिताब जीता था। इस दौरान गुकेश ने कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था।कास्पारोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1985 में अनतोली कार्पोव को हराकर वर्ल्ड खिताब अपने नाम किया था। कास्पारोव ने बुकारेस्ट में सुपरबैट शतरंज क्लासिक के दौरान सेंट लुईस शतरंज क्लब के यूटयूब चैन से कहा कि, गुकेश आधिकारिक रूप से वर्ल्ड चैंपियन हैं और इसमें कोई शक नहीं है लेकिन हर लिहाज से उससे बेहतर एक और खिलाड़ी भी है। गुकेश और कार्लसन के बीच ये तुलना पहली बार नहीं हुई है। कास्पारोव ने गुकेश समेत भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए उन्हें विशी के बच्चे करार दिया। पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद उनके समकालीन रहे हैं।

आरबीआई रिक्रिएशन क्लब जयपुर ने नील कमल क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 13 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुग मिश्रा स्मृति ली डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में आर बी आई रिक्रिएशन क्लब ने नील कमल क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराया। आज प्रातः के एल सैनी स्टेडियम पर नील कमल क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरुष मक्कड़ के 38 रन, वंश शर्मा के 38 रन, दर्शील के 27 रन व सवीहत वर्मा के 20 रन नाबाद से बारिश से बाधित मैच में 20 ओवर में 5 विकेट पर 152 रन बनाए। आर बी आई रिक्रिएशन क्लब के लिए प्रिंस ने 27 पर 3, भूदेव सिंह ने 28 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में आर बी आई



रिक्रिएशन क्लब ने राजेश विश्‌नोई सीनियर के 52 रन, प्रणय शर्मा के नाबाद 72 रन व शक्ति सिंह के 13 रनों से 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। नील कमल क्रिकेट क्लब के लिए अमन शेखावत ने 19 पर 2 विकेट लिए।

नारायणा एकेडमी की जीत में संजू सारन शतक से चूके, नवीन बूरी का ऑलराउंडर प्रदर्शन



जयपुर, 13 मई। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वीं राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मैच में नारायणा एकेडमी ने संस्कार एकेडमी को 174 रनों के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी करते हुए नारायणा एकेडमी ने संजू सारन 92 आदित्य सैनी 60, नवीन बूरी 49 नाबाद, यश खीचड़ 41, रोहन सारन 31, सलिल्क 23 रंक सहयोग से 50 ओवर में 7 विकेट पर 334 रन बनाए। संस्कार एकेडमी की ओर से राजवीर लाम्बा, अमयरराज ने 2-2 विकेट, निशांत, देवांग जैन और अशाद हुसैन ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए संस्कार एकेडमी नारायणा की शानदार गेंदबाजी के सामने 38 ओवर में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। योगेश सैनी 51, अमयरराज 29, अक्षत गुप्ता 27, राजवीर लाम्बा 15 रन बनाए। नारायणा की ओर से नवीन बूरी 4 मयंक गिल 3, यश खीचड़ 2, रोहित चौधरी ने 1 विकेट लिए। आज के मेन ऑफ द मैच नवीन बूरी रहे।

साहिल दीवान का ऑलराउंड प्रदर्शन, आकिब की शानदार गेंदबाजी से बाउंड्री ब्रेकर अजमेर विजयी

जयपुर, 13 मई। यूनिनन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन सफी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम, करघनी कालवाड़ रोड, जयपुर पर खेले गये पूल डी के मैच में साहिल दीवान 34 रन नाबाद व 13 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा आकिब खान 8 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदाौलत बाउण्डी ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर ने कियान क्रिकेट एकेडमी को 48 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये कियान क्रिकेट एकेडमी की ओर से शेर सिंह 27 रन



साहिल दीवान 13 रन पर 3 विकेट, आकिब खान 8 रन पर 3 विकेट, राहुल छपरवाल 12 रन पर 2 विकेट तथा अमन मीणा 0 रन पर 1 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष नहीं टिक सके और पूरी टीम 18.1 ओवर में 75 रन बनाकर सिमट गई।

व देवेश शर्मा 10 रन को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज बाउण्डी ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर के गेंदबाजों के सामने 76 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरी बाउण्डी ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी की ओर से साहिल दीवान 34 रन नाबाद (11 गेंद 2 चौके 4 छक्के), मिरान खान 26 रन नाबाद, पुनित मिश्रा 15 रन की मदद से विजयी लक्ष्य 80 रन 2 विकेट छोकर 7.5 ओवर में ही हासिल कर 8 विकेट से आसानी से जीत दर्ज कर ली। कियान एकेडमी की ओर से मयंक स्वामी 10 रन पर 1 विकेट लेकर एकमात्र सफल गेंदबाज रहे। मेन ऑफ मैच साहिल दीवान 34 रन नाबाद व 13 रन पर 3 विकेट बाउण्डी ब्रेकर क्रिकेट एकेडमी, अजमेर रहे।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा संग संत प्रेमानंद के आश्रम पहुंचे



संत प्रेमानंद से आध्यात्मिक चर्चा की। बता दें कि, ये पहली बार नहीं है जब विराट-अनुष्का संत प्रेमानंद से मिले हों इससे पहले भी वो उनसे मिलते रहे हैं। सबसे पहले कोहली और अनुष्का 4 जनवरी 2023 को संत प्रेमानंद से मिले थे। इसके बाद इस साल 10 जनवरी को उन्होंने वृंदावन पहुंचकर फिर से संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी। कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। तीसरी बार कोहली पत्नी संग संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए पहुंचे। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण स्थगित आईपीएल लीग और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद कोहली पत्नी संग अनुष्का शर्मा के साथ श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने आध्यात्मिक चर्चा की।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ होने वाली श्रृंखला के लिए टीम की घोषित

लंदन, 13 मई। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए हैरी ब्रूक को टीम का कप्तान बनाया है। 29 मई से शुरू होने वाली इस श्रृंखला के तहत दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 खेले जायेंगे। लियाम डॉसन की सितंबर 2022 के बाद पहली बार टी-20 प्रारूप में लौटे हैं। इसकी के साथ फिल साल्ट और ल्यूक वुड की भी टी-20 टीम में वापसी हुई है जबकि विल जैक्स दोनों टीमों में खेलेंगे।

अल्काराज और ड्रेपर भिड़ेंगे इटानिन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

रोम, 13 मई। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज इटालियन ओपन के अंतिम आठ में ब्रिटेन के जैक ड्रेपर से भिड़ेंगे। आज यहां राउंड ऑफ 16 मुकाबले में अल्काराज ने रूस के करेन खाकानोव को दो घंटे 29 मिनट तक चले उतार-चढ़ाव वाले मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-5 से हराकर टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने ग्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए फ्रांस के कोर्टिन मुटे को 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। यह इस वर्ष में तीसरी बार होगा जब जैक ड्रेपर और स्पेन के कार्लोस अल्काराज किसी मुकाबल में भिड़ेंगे।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ होने वाली श्रृंखला के लिए टीम की घोषित

लंदन, 13 मई। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सफेद गेंद श्रृंखला के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने एकदिवसीय और टी-20 श्रृंखला के लिए हैरी ब्रूक को टीम का कप्तान बनाया है। 29 मई से शुरू होने वाली इस श्रृंखला के तहत दोनों टीमों के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 खेले जायेंगे। लियाम डॉसन की सितंबर 2022 के बाद पहली बार टी-20 प्रारूप में लौटे हैं। इसकी के साथ फिल साल्ट और ल्यूक वुड की भी टी-20 टीम में वापसी हुई है जबकि विल जैक्स दोनों टीमों में खेलेंगे।

रॉयल फुटबाल क्लब ने जयपुर एलिट फुटबाल क्लब को 3-0 से शिकस्त दी

जयपुर, 13 मई। जेरथी फुटबॉल क्लब सीकर ग्राउंड, मानसरोवर जयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 3 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया अभी तक 73 मैच खेले जा चुके हैं।

प्रथम मैच :- जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब और रियल जयपुर फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच 0-0 से बराबरी पर रहा। पहला हॉफ में 0-0 से बराबरी पर रहा दूसरे हॉफ में आक्रामक खेल खेला गया दोनों ही टीमों ने 2-2 गोल किए । गोल जयपुर

आईपीएल 2025 : अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा फाइनल मुकाबला!

नई दिल्ली, 13 मई। एक बार फिर आईपीएल 2025 17 मई से शुरू होने जा रहा है। अब एक बार फिर आईपीएल 17 मई से शुरू होने जा रहा है। लीग स्टेज के 13 मुकाबलों के वेन्यू का ऐलान हो गया है, जबकि प्लेऑफ और फाइनल के फाइनल के वेन्यू को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। अब इसको लेकर बड़ा अपडेट आया है।आईपीएल 2025 17 मई से शुरू होगा, जहां आरसीबी और केकेआर के बीच फिर्द होनी। लीग स्टेज के 13 मैच 6 स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं डबल हेडर मुकाबले 18 मई और 25 मई को देखने को मिलेंगे।वहीं आईपीएल 2025 में बाकी बचे लीग मैच दिल्ली, लखनऊ, जयपुर, मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु में होंगे। लीग स्टेज का आखिरी मुकाबला 27 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और आरसीबी के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा। इसके बाद से प्लेऑफ मुकाबले शुरू हो जाएंगे। क्वालीफायर 1,29 और एलिमिनेटर 30 मई को खेला जाएगा। जबकि दूसरा क्वालीफायर 1 जून को होगा। जबकि सीजन का फाइनल 3 जून को खेला जाएगा। वहीं रिपोटर्स के अनुसार, अब फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल 2025 से चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद बाहर हो चुकी है। वहीं बाकी बचीं सात टीमों के बीच प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।



राइजिंग युधिष्ठिर 53 मिनट ओर तन्मय 65 मिनट ने गोल किए।रियल फुटबाल क्लब की

तरफ से आदित व्यास ने 68 मिनट ओर तनिष्क 76 मिनट पर गोल किए । दूसरा मैच :- जयपुर एलिट फुटबाल क्लब सीकर और रॉयल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच रॉयल फुटबाल क्लब ने 3-0 से शानदार जीत हासिल की । तीनों ही गोल अनुज शर्मा 5, 36, 69 मिनट ने किए और हैट्रिक लगाई। तीसरा मैच :- जिक फुटबाल अकादमी और सिटी वालन्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच जिक अकादमी ने 3-0 से जीत हासिल की। आगामी फुटबाल लीग के मैच 15 मई को में खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान समिट में हुए विभिन्न एम.ओ.यू. की समीक्षा बैठक की

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निवेशकों की अपेक्षाओं की पूर्ति हमारी जिम्मेदारी है

जयपुर, 13 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर बनाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। इसकी प्रगति राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत हस्ताक्षरित एमओयू की समयबद्ध क्रियान्विति मील का पत्थर साबित हो रही है। समिट के

ऑटोमोबाइल तथा इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) क्षेत्र में हस्ताक्षरित एमओयू की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला कलैक्टर निवेशकों द्वारा इच्छित जमीन के आवंटन के लिए त्वरित निर्णय लें।

साथ ही, निवेशकों को जमीनों के सभी संभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराए।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिये कि जिला कलैक्टर बेहतर सामंजस्य के साथ एम.ओ.यू. की क्रियान्विति को सुनिश्चित करें।**

अन्तर्गत, लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते धरातल पर भी उतर चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित निवेशकों से निरंतर संवाद कर उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट में पर्यटन, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वस्त्र एवं परिधान,

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव, ढाणी से लेकर कस्बों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ िकरण हमारी सरकार का प्रमुख ध्येय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए भी कैरियर के सुनहरे अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा के दौरान कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की सीमिता के कारण वर्तमान समय में इलेक्ट्रिक वाहनों की उपयोगिता बढ़ ती



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान समिट में हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि जिला कलैक्टर निवेशकों को जमीनों के सभी संभव विकल्पों का मौका मुआयना भी कराएं।

जा रही है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत एवं विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारी

तथा संबंधित निवेशक उपस्थित रहे। साथ ही, विभिन्न जिला कलैक्टर वीसी के माध्यम से जुड़े।

जिंदा बम प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) अन्य को मिली फांसी की सजा को हाईकोर्ट ने रद्द कर उन्हें भी दोषमुक्त किया था। इसके बावजूद भी समान मामले में विशेष न्यायालय ने गत 8 अप्रैल को याचिकाकर्ता सहित तीन अन्य को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुना दी। याचिका में इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि जिंदा बम का मामला मूल मामले से अलग नहीं है। घटना में किसी तरह की जनहानि भी नहीं हुई है। उस पर आरोप था कि उसने धमाकों के बाद टीवी चैनल को ईमेल भेजकर जिम्मेदारी ली थी। समान आरोप से विशेष न्यायालय ने उसे बरी कर दिया था। ऐसे में अब उसे जिंदा बम के मामले में सजा नहीं दी जा सकती। इसलिए विशेष न्यायालय के आदेश को रद्द कर उसे दोषमुक्त किया जाए। मामले पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत से रिकॉर्ड तलब किया है।

गौरतलब है कि 13 मई, 2008 को शहर में विभिन्न स्थानों पर कुल 8 बम ब्लास्ट हुए थे। चांदपोल हनुमान मंदिर के पास एक बम जिंदा मिला था। मामले में विशेष न्यायालय ने 18 दिसंबर, 2019 को शाहबाज हुसैन को बरी करते हुए शेष चार अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने मार्च 2023 को चारों आरोपियों की सजा को रद्द कर दिया था।

पाक उच्चायोग का अफसर भारत से निष्कासित

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी को अवांछित घोषित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने के लिए कहा है।

विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारत सरकार ने नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में काम करने वाले एक पाकिस्तानी अधिकारी को भारत में उसकी आधिकारिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए गतिविधियों में शामिल होने के लिए गैर-आकलन व्यक्ति घोषित किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार अधिकारी को 24 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी को आज इस आशय का आदेश जारी किया गया।

70 देशों के राजनयिकों को ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

नयी दिल्ली, 13 मई। भारत ने 70 देशों के राजनयिकों को आज यहां ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पाकिस्तान द्वारा चलाये गये दुष्प्रचार का भी पर्दाफाश किया।

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय में मंगलवार को यहां बताया कि रक्षा खुफिया एजेंसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डी एस राणा ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए मानदंड स्थापित करने वाले ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी।

- वार्ता में भारत ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार का पर्दाफाश किया।**

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में नए युग के युद्ध में सैन्य श्रेष्ठता के माध्यम से भारत की शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रदर्शन किया गया।

बातचीत के दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में स्वदेशी हथियारों की युद्ध प्रभावशीलता के साथ संयुक्तता और एकीकरण के माध्यम से हासिल समन्वित बल प्रयोग पर भी प्रकाश डाला गया। उन्होंने पाकिस्तान के द्वारा चलाए जा रहे भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता पर इसके प्रभाव का की भी जानकारी दी।

जस्टिस बी.आर. गवई आज सीजेआई पद की शपथ लेंगे

सीजेआई की कुर्सी तक पहुँचने वाले वे अनुसूचित जाति के दूसरे व्यक्ति हैं

- जस्टिस के.जी. बालकृष्णन अनुसूचित जाति के पहले सदस्य थे जो सीजेआई बने थे।**

- जस्टिस संजीव खन्ना मंगलवार को सीजेआई पद से सेवानिवृत्त हो गए और 14 मई को जस्टिस गवई को सीजेआई पद की शपथ दिलाई जाएगी।**

- जस्टिस गवई विख्यात अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद तथा कई राज्यों के राज्यपाल रहे आर.एस. गवई के पुत्र हैं।**

उन्होंने वर्ष 1987 से 1990 तक बम्बई उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से वकालत की। उन्होंने वर्ष 1990 के बाद मुख्य रूप से संवैधानिक कानून और प्रशासनिक कानून में बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ में वकालत की।

न्यायमूर्ति गवई को 14 नवंबर, 2003 को उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए थे। वह 12 नवंबर, 2005 को बम्बई उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश बने।

न्यायमूर्ति गवई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और

पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की भी अध्यक्षता की।

उन्होंने महाराष्ट्र के पूर्व महाधिवक्ता और बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीश (स्वर्गीय) बैरिस्टर राजा एस भोंसले के साथ करियर की शुरुआत की हालांकि उन्होंने संक्षिप्त अवधि तक ही उनके साथ काम किया।

वे शीर्ष अदालत में संवैधानिक पीठ द्वारा किए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें नोटबंदी, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और एससी/एसटी श्रेणियों के भीतर उप वार्डकरण शामिल हैं। उन्होंने एससी/एसटी के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुर्जोक्त वकालत की थी।

भारत-पाक युद्ध को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में ...

विजंदबना यह है कि न्यूक्लियर डिटर्रेंस (परमाणु निरोध) का अस्तित्व ही मीडिया के इस रुख का कारण है। संपादक यह मानकर चलते हैं कि दोनों पक्ष युद्ध से पहले ही पीछे हट जाएंगे, जैसा कि अतीत में होता आया है। लेकिन, माफिया आज की बदलती परिस्थितियों में खतरनाक साबित हो सकती है। आज की राजनीति, सोशल मीडिया से प्रेरित राष्ट्रवाद, और धुंधले युद्धों के बीच, गलतियाँ करने की गुंजाइश कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

अंत में आता है, इण्डिया पैराडॉक्स। एक उपमर्ती आर्थिक शक्ति और पश्चिम की इंडो-पैसिफिक रणनीति में अहम

भागीदार होने के कारण ग्लोबल मीडिया में भारत एक जटिल स्थान पर है। प्रमुख मीडिया संस्थान, जो दक्षिण एशियाई पाठकों को ध्यान में रखते हैं, भारत की आलोचना करते हुए भी सावधानी बरतते हैं, ताकि पाठकों तक उनकी पकड़ बरकरार रहे और उन्हें डिजिटल प्रतिक्रिया का सामना नहीं करना पड़े।

नतीजा क्या है? एक ऐसी कहानी, जो वैश्विक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है, उसे कभी-कभी तो किसी हॉलीवुड सेलिब्रिटी के तलाक या किसी वारियरल वीडियो से भी कम तवज्जो मिलती है। अगर अकल्पनीय घटना घटित हो

जाए, अगर किसी गलती से एक बड़ा युद्ध शुरू हो जाए, तब शायद पश्चिमी मीडिया इहड़बुड़कर ब्रेकिंग न्यूज दिखाना शुरू कर दे। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी, उस तरह की पत्रकारिता के लिए, जो जनमत तैयार कर सकती थी, कूटनीति को प्रभावित कर सकती थी, या शायद संकट को टाल सकती थी।

एक ऐसी दुनिया में, जहाँ धारणाएं नीतियाँ तय करती हैं और सार्वजनिक दबाव निर्णयों को प्रभावित करते हैं, वहाँ इस सुस्ती को केवल पत्रकारिता की चूक नहीं, एक रणनीतिक दृष्टिहीनता कहा जा सकता है।

केन्द्र के आश्वासन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) था, जिसका उल्लंघन किया गया है। याचिका में कहा गया है कि आश्वासन के बावजूद, पंजीकृत वक्फ संपत्ति को नष्ट कर दिया गया।

एक अवमानना याचिका उत्तराखंड के महफूज अहमद ने दायर की है। देहरादून के रहने वाले याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि राज्य प्रशासन ने बिना किसी नोटिस के दरगाह को ढ ढा दिया है, जबकि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधित कानून को लागू नहीं करने का आश्वासन दिया था।

याचिका में यह भी कहा गया है कि यह दरगाह 1982 में सुन्री सेन्ट्रल बोर्ड

ऑफ लखनऊ के साथ पंजीकृत थी। याचिका में दावा किया कि दरगाह पिछले 150 वर्षों से धार्मिक महत्व का एक पूजनीय स्थल रहा है और संपत्ति की वैधता साबित करने वाले प्रासंगिक दस्तावेज उनके पास हैं। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री के पोर्टल पर की गई एक सामान्य शिकायत के आधार पर की गई थी।

न्यायिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के उपाय किए जा रहे हैं। इसके लिए होमगार्ड की नियुक्ति के साथ ही सीसीटीवी लगाए गए हैं। अदालत ने कहा कि झारखंड में एंडीजे स्तर के अधिकारी की गोली मारकर हत्या हुई है। इस पर एजी ने कहा कि यहां भी ऐसी घटना हुई थी। जोधपुर हाईकोर्ट ने समान मामले में जनहिता याचिका चल रही है। उसके आधार पर एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर कार्रवाई की जा रही है। इस पर अदालत ने कहा कि अब तक मामले में जो कार्रवाई की गई है उसकी जानकारी अदालत में पेश की जाए।

गौरतलब है कि न्याय शिक्षा अपार्टमेंट में एक महिला न्यायिक अधिकारी के आवास पर चोरी की घटना हुई थी।

इसके बाद सामने आया था कि न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है, जबकि ओर से केवल 150 अधिकारी रहते हैं। मामले में राजस्थान न्यायिक सेवा अधिकारी संघ ने भी सीजे को पत्र लिखा था।

रहे हैं, जैसे मुश्किल से तीन महीने पहले एफ-35 स्ट्रेल्ट एयर क्राफ्ट की खरीद के मामले में। नेहरू के “पंचायती राज” से उनके विरोध के अलावा, केरल में उनके मुख्य राजनैतिक विरोधी वामपंथियों के बारे में उनके विचार भी आन रिकॉर्ड हैं। केरल कांग्रेस के नेतृत्व से उनकी दूरी से सभी परिचित हैं।

कुछ समय पहले, एक अन्य चैनल को अपनी एक अन्य इंटर्व्यू में, थरूर इस प्रश्न के सीधे उत्तर के कगार पर पहुंच गये थे कि क्या वे निकट भविष्य में भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा था, “नहीं, हर पार्टी की अपनी एक आस्था और इतिहास होता है। अगर किसी पार्टी की मान्यता आपके गले नहीं उतरती है, तो आपका उस पार्टी में शामिल होना ठीक नहीं है। लेकिन स्वतंत्र रहने का विकल्प तो हमेशा ही खुला हुआ है।”

क्या “स्वतंत्र होना” कांग्रेस को छोड़ने और भाजपा में शामिल होने से पहले का “मिड स्टॉप” है?

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भान हाऊस, हनुमान हथवा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैं रोड आयड, उदयपुर। फोन: 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी बाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन:226422,226423, फैक्स: 02973-226424 डिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिन्डीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

